कंचन उजाला

हिन्दी दैनिक

RNI No : UPHIN/2019/79194

कंचन उजाला

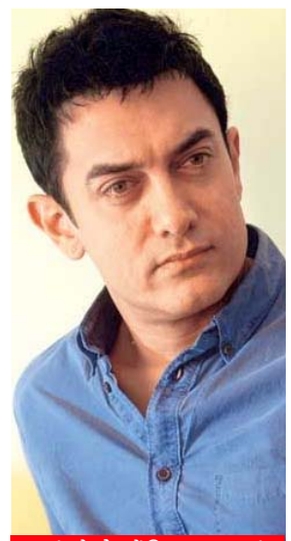

शतरंज के मैच में विश्वनाथन आनंद को टक्कर देंगे आमिर खान

लखनऊ से प्रकाशित | सच्चाई के साथ | WWW.Kanchanujala.in | kanchanujalalko@gmail.com

वर्षः 02 अंक : 166 | लखनऊ, शुक्रवार , 11 जून, 2021 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

अमित शाह से मिलने उनके आवास पहुंचे योगी

आज पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को अचानक दो दिन के लिए दिल्ली पहुंच गए। इसके साथ ही यूपी के राजनीतिक गलियारों में अटलकों का बाजार गर्म हो गया है। भाजपा के प्रदेश संगठन में बदलाव के साथ ही यूपी सरकार के मंत्रिमंडल में फेरबदल की सुगबुगाहट चल रही है। लिहाजा उनका ये दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दिल्ली पहुंचते ही सीएम योगी आदित्यनाथ, गृहमंत्री अमित शाह से मिलने उनके आवास पर पहुंचे। शुक्रवार को उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संग होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिल्ली जाने के लिए गुरुवार दोपहर करीब ढाई बजे लखनऊ से रवाना हुए। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे उनका विमान गाजियाबाद हिंडन एयरबेस पर लैंड हुआ। यहां से सड़क मार्ग से वह दिल्ली स्थिति यूपी सदन पहुंचे। यूपी सदन पहुंचने के थोड़ी देर बाद ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात करने उनके घर रवाना हो गए। गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुलाकात हुई।

पार्टी के दोनों नेताओं ने उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूत करने और सरकार की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने पर चर्चा की। बताया जा रहा है कि गृहमंत्री से मुलाकात के बाद शाम को सीएम योगी आदित्यनाथ दिल्ली में गाजियाबाद और नोएडा के भाजपा नेताओं से मिलेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन के नेताओं से भी उनकी मुलाकात होनी है। गुरुवार रात दिल्ली में रुकने के बाद शुक्रवार को दिन में 11 बजे पीएम नरेंद्र मोदी से उनकी मुलाकात होगी। शुक्रवार को ही उनकी केंद्र सरकार के अन्य मंत्रियों तथा भाजपा के कुछ सांसदों से भी मुलाकात हो सकती है। ऐसी भी सूचना है कि योगी आदित्यनाथ शुक्रवार दोपहर 12:30 बजे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी भेंट कर सकते हैं। लिहाजा कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

योगी आदित्यनाथ पीएम को देंगे रिपोर्ट

दिल्ली रवाना होने से पहले, बुधवार देर रात तक लखनऊ में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह तथा संगठन मंत्री सुनील बंसल के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बैठक चली थी। ये भी बताया जा रहा है कि बैठक में बनी रिपोर्ट पार्टी आलाकमान को सौंपने के लिए योगी आदित्यनाथ दिल्ली गए हैं। इसके अलावा पंचायत चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन के आधार पर आगे की रणनीति पर भी वह आलाकमान से चर्चा करेंगे। इसके बाद भाजपा आलाकमान तय करेगा कि उत्तर प्रदेश सरकार और संगठन में किस तरीके के बदलाव होंगे। साथ ही वर्ष 2022 में होने वाला यूपी विधानसभा चुनाव किन मुद्दों पर लड़ा जाएगा। इसके अलावा पंचायत चुनाव के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख के चुनाव में किस तरीके से भाजपा बेहतरीन फिनिश करे। सीएम योगी आदित्यनाथ की भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से इन मुद्दों पर भी वार्ता हो सकती है।

पीएम नरेंद्र मोदी जी 7 शिखर समेलन में लेंगे वर्चुअल हिस्सा,12-13 जून को जुड़ेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। एजेंसियां। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 और 13 जून को वर्चुअल तरीके से ज7 शिखर सम्मेलन के सत्र में भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पिछले महीने विदेश मंत्रालय ने कहा था कि पीएम मोदी देश में मौजूदा कोरोना वायरस स्थिति को देखते हुए जी7 समूह के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए यूके की यात्रा नहीं करेंगे। गुरुवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि जी7 के अध्यक्ष के रूप में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 और 13 जून को आउटरीच सत्र में भाग लेंगे। ब्रिटेन ने भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और दक्षिण अफ्रीका को शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया है। यह दूसरी बार है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 में भाग लेंगे। जी7 शिखर सम्मेलन 11-13 जून तक चलेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद जो बाइडन अपने पहले विदेश दौरे पर ब्रिटेन पहुंचे हैं। यहां पर जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पहंचे हैं। उनकी ये यात्रा कई मायनों में बेहद खास है। जी-7 में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल है। इस सम्मेलन में महामारी से जूझ रही दुनिया के लिए कोरोना वैक्सीन की उपलब्धता, व्यापार, जलवायु परिवर्तन और विकासशील देशों में बुनियादी ढांचे का पुनर्निर्माण जैसे कुछ खास मुद्दों पर बातचीत होगी। कहा ये भी जा रहा है कि इसमें वैक्सीन की सप्लाई को लेकर दबाव भी डाला जाएगा। आपको बता दें कि ये सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब कई देश और वैश्विक संगठन लगातार इस बात को कह रहे हैं कि अमीर देश अपने यहां मौजूद वैक्सीन की अतिरिक्त खुराक को गरीब देशों के लिए दान में दें।

जूएनयू में बवाल

छात्रों ने लाइब्रेरी में की तोड़फोड़, मना करने पर सुरक्षाकर्मियों को पीटा

नई दिल्ली, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में लाइब्रेरी खुलवाने को लेकर चल रहा छात्रों का प्रदर्शन मंगलवार देर रात हिंसक हो गया। मंगलवार देर रात तमाम छात्र लाठी-डंडा लेकर लाइब्रेरी के बाहर पहुंचे और सुरक्षाकर्मियों को पीटना शुरू कर दिया। आरोपितों ने लाइब्रेरी में भी जमकर तोड़फोड़ की। जेएनयू प्रशासन की शिकायत पर वसंतकुंज नॉर्थ थाना पुलिस ने पांच छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआइआर में पांच छात्रों को नामजद किया गया है। वहीं, पुलिस सीसीटीवी फुटेज से अन्य आरोपितों की पहचान में जुटी है। पुलिस के अनुसार, जेएनयू प्रशासन की ओर से सुरक्षा अधिकारी केपी सिंह ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया है कि उन्हें मंगलवार रात सूचना मिली कि 35-40 छात्र लाइब्रेरी के बाहर जमा हो गए हैं और जबरन लाइब्रेरी खोलने की जिद कर रहे हैं। केपी सिंह 15-16 सुरक्षाकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे तो देखा सभी छात्र हंगामा कर रहे थे। सुरक्षाकर्मियों ने घेरा बनाकर आरोपितों को लाइब्रेरी तक पहुंचने से रोका रखा था। कुछ छात्र सुरक्षाकर्मियों के साथ धक्कामुक्की करने लगे और लाठी-डंडे से गेट तोड़ने का प्रयास करने लगे। इससे लाइब्रेरी का शीशे का एक साइड का हिस्सा टूट गया। सुरक्षाकर्मियों ने इस गेट को घेर लिया तो छात्र अन्य दो गेटों पर पहुंचे और वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों की पिटाई कर दी। कुछ छात्र गेट तोड़कर जबरन लाइब्रेरी में घुस गए। सुरक्षाकर्मियों ने अंदर घुसे छात्रों रूपेश, पवन, हर्षिता, सन्नी दयाल और धापू सोनी को पकड़ लिया। कई छात्रों ने लाइब्रेरी पर कब्जा जमा लिया। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

दिल्ली में गर्मी का प्रकोप बरकरार

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बृहस्पतिवार सुबह भी गर्मी का प्रकोप बना रहा और न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री अधिक 31.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अधिकारियों ने बताया कि अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। सुबह साढ़े आठ बजे तक सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 47 प्रतिशत दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानियों ने दिन में तेज हवा चलने का अनुमान जताया है। दिल्ली में बृहस्पतिवार सुबह हवा की गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मिले आंकड़ों के अनुसार सुबह आठ बजकर पांच मिनट पर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 249 दर्ज किया गया।गौरतलब है कि शून्य से 50 के बीच के एक्यूआई को ''अच्छा'' माना जाता है।

ऑक्सीजन की कमी हुई थी लेकिन एक सप्ताह में प्रधानमंत्री ने इसे दूर किया: जे पी नड्डा

नयी दिल्ली, एजेंसी। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान जब देश में ऑक्सीजन की कमी के मामले सामने आने लगे तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक सप्ताह के भीतर यह समस्या दूर की और लोगों तक ऑक्सीजन पहुंचाई। अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में भाजपा के नवनिर्मित कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में नड्डा ने यह भी दावा किया कि जुलाई महीने से देश में कोविड-19 रोधी टीकों की प्रति माह छह से सात करोड़ खुराक का उत्पादन होने लगेगा और दिसंबर तक तकरीबन 19 कंपनियां टीकों की 200 करोड़ खुराक का उत्पादन कर लेंगी। कोविड-19 को शताब्दी की सबसे बड़ी और अकल्पनीय महामारी करार देते हुए नड्डा ने इससे हुई लोगों की मौत पर अफसोस जताया और स्वीकार किया कि देश में ऑक्सीजन की कमी हुई थी लेकिन इस कमी को पूरा करने में प्रधानमंत्री मोदी ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा, ''एक सप्ताह के अंदर ऑक्सीजन के लिए पूरी योजनाएं बनाकर और उन्हें अमली जामा पहनाया गया और लोगों तक ऑक्सीजन पहुंचाई गई।'' उन्होंने कहा, ''पिछले दिनों ऑक्सीजन की कमी हुई...प्रधानमंत्री ने एक सप्ताह के अंदर जल, थल और नभ यानी पानी में जहाज के माध्यम से, सड़कों पर ग्रीन कॉरिडोर बनाकर और ट्रेनों से तथा नभ में वायुयान से भी... ऑक्सीजन पहुंचाई और इस कमी को एक सप्ताह में दूर किया।'' ज्ञात हो कि अप्रैल-मई के महीने में देश के विभिन्न हिस्सों में ऑक्सीजन की कमी के कई मामले आए और इसकी वजह से राजधानी दिल्ली सहित देश के कुछ अन्य हिस्सों में कई लोगों की मौत भी हुई।

पंजाब कांग्रेस विवाद कांग्रेस समिति ने सोनिया गांधी को सौंपी रिपोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस की पंजाब इकाई में कलह को दूर करने के मकसद से गठित 3 सदस्यीय समिति ने बृहस्पतिवार को अपनी रिपोर्ट पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को सौंप दी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता वाली इस समिति ने सोनिया को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। एक सूत्र ने बताया, ''समिति ने रिपोर्ट सौंप दी है। अब कांग्रेस आलाकमान जल्द ही कोई फार्मूला तय करेगा ताकि पंजाब में कलह को खत्म किया जा सके। समिति ने हाल ही में मुख्यमंत्री अमरेंद्र सिंह, पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू, कई मंत्रियों, सांसदों और विधायकों समेत कांग्रेस के पंजाब से ताल्लुक रखने वाले 100 से अधिक नेताओं से उनकी राय ली थी। खड़गे के अलावा कांग्रेस महासचिव और पंजाब प्रभारी हरीश रावत तथा दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जेपी अग्रवाल इस समिति में शामिल हैं।

पेट्रोल डीजल की कीमतों के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

युवा कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्रियों को भेजी साइकिलें

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय युवा कांग्रेस ने बढ़ते पेट्रोल डीजल की कीमतों के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। पेट्रोल डीजल के दामों के खिलाफयुवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, और महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी को अलग अलग साइकिलें कुरियर के माध्यम से भिजवाई है। युवा कांग्रेस के अनुसार, सरकार की लचर नीतियों से त्रस्त आ चुकी जनता को सरकार लगातार झटके पर झटका दे रही है। ऐसी विषम परिस्थिति में दुनिया की किसी भी सरकार ने अपनी जनता पर इतने अत्याचार नहीं किए होंगे, जितने मोदी सरकार कर रही है। पिछले पांच महीनों में 43 बार पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाए गए है। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी ने कहा कि, भाजपा जब विपक्ष में थी तो पेट्रोल डीजल की 5 रुपए की वृद्धि पर सड़को पर प्रदर्शन करती हुई दिखती थी । आज जब चौतरफा महंगाई की मार है तो सब मौन है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी ने कहा, युवा कांग्रेस ने उन्हें नींद से जगाने का प्रयास किया है। देश के कई हिस्सों में पेट्रोल 100 रुपए के पार, डीजल 90 रुपए के पार हो गया है, शर्मनाक की बात यह है की इस तरह की खुली लूट करने के बावजूद भाजपा सरकार इसका दोष भी कांग्रेस पर मढ़कर अपना पीछा छुड़ाना चाहती है। मोदी सरकार ने आम आदमी के बजट में ऐसी सेंध लगा दी है, जिससे वह जूझ पाने में असमर्थ है, पिछले 13 महीनो में पेट्रोल की कीमत 25.72 रुपए और डीजल की कीमत 23.93 रुपए बढ़ाई गई है और पिछले 5 महीनो में 43 बार कीमतें बढ़ाई गई है।

दिल्ली में ऑक्सीजन भंडारण क्षमता बढ़ायी गयी: केजरीवाल

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए तैयारी के तौर पर शहर में अभी तक कुल 171 मीट्रिक टन की क्षमता वाले तीन ऑक्सीजन भंडार संयंत्र लगाए गए हैं। उन्होंने सिरसपुर में स्थित ऑक्सीजन भंडार संयंत्र का दौरा करने के बाद कहा कि यहां 57 मीट्रिक टन ऑक्सीजन भंडारण क्षमता का क्रायोजेनिक टैंक लगाया जा रहा है और साथ ही यहां हर दिन 12.5 टन की क्षमता वाला ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र भी बना रहे हैं। केजरीवाल ने ट्वीट किया, ''हमने कुल 171 एमटी क्षमता के साथ प्रत्येक 57 एमटी क्षमता वाले तीन ऑक्सीजन भंडारण संयंत्र अभी तक लगा दिए हैं। युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। उन लोगों का आभारी हूं जिनकी वजह से यह संभव हुआ है। गौरतलब है कि दिल्ली में कोरोना वायरस की दूसरी लहर के दौरान अप्रैल और मई में मामले बढ़ने के कारण ऑक्सीजन की भारी किल्लत का सामना करना पड़ा था।

चोकसी के अपहरण के मामले में संलिप्तता के आरोप से गुरजीत भंडाल का इनकार

नयी दिल्ली, एजेंसी। भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के एंटीगुआ एवं बारबुडा से 23 मई को हुए कथित अपहरण में लिप्तता के आरोपों को खारिज करते हुए गुरजीत भंडाल ने कहा कि वह तो कैरिबियाई द्वीप देश से 23 मई की सुबह ही नौका से रवाना हो गए थे। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, चोकसी ने एंटीगुआ पुलिस से की शिकायत में दावा किया था कि 23 मई की शाम को वह उस स्थान पर गए थे जहां उनकी 'मित्र' बारबरा जबरिका ठहरी हुई थी, तभी उनका अपहरण कर लिया गया था। जबरिका भी इस मामले में संदिग्ध है। चोकसी ने जबरिका, नरिंदर सिंह और गुरमीत सिंह के अलावा अज्ञात लोगों पर अपहरण करने का आरोप लगाया है। वेबसाइट 'राइट्अप्स24डॉटकॉम की खबर के अनुसार, भंडाल का ब्रिटेन के मिडलैंड्स में सम्पत्ति का कारोबार है। उन्होंने दावा किया कि वह अप्रैल-मई में अपने दोस्त गुरमीत सिंह के साथ कैरिबियाई द्वीप गए थे। भंडाल ने चौकसी के कथित अपहरण में किसी भी तरह की संलिप्तता होने से इनकार करते हुए कहा कि वह जांच में 'पुलिस का सहयोग करेंगे' हालांकि एंटीगुआ पुलिस ने अभी तक उनसे कोई सम्पर्क नहीं किया है। उन्होंने वेबसाइट को बताया कि वह और सिंह 23 मई को एंटीगुआ के इंग्लिश हार्बर पर थे और सुबह ही वह डोमिनिका के लिए निकल गए थे। उन्होंने वेबसाइट को फोन पर दिए साक्षात्कार में कहा, ''हम 23 मई, रविवार रात को डोमिनिका पहुंचे। उसी दिन हम एंटीगुआ से रवाना हुए थे और 24 मई को हमें सीमा शुल्क विभाग से मंजूरी मिली। चोकसी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि 23 मई शाम को एंटीगुआ से उसका अपहरण किया गया और नौका से उसे डोमिनिका ले जाया गया, अगले दिन सुबह करीब 10 बजे नौका पर डोमिनिका के तटरक्षक बल को उसे सौंप दिया गया। भंडाल ने कहा कि उनकी योजना डोमिनिका से सेंट लूसिया जाने की थी, लेकिन समुद्र में यात्रा करने वह बीमार हो गए थे और इसलिए उन्होंने आगे की यात्रा रद्द करने का फैसला किया।

अनाथ बच्चों की सही जानकारी नहीं दे रही है दिल्ली व बंगाल सरकार: जावडेकर

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना से अनाथ हुए बच्चों को लेकर दिल्ली सरकार और बंगाल सरकार के रवैये पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई है। बाल आयोग भी तल्ख टिप्पणी कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी पर भाजपा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आड़े हाथों लिया है। दोनों पर अनाथ हुए बच्चों के प्रति असंवेदनशील होने का आरोप लगाया है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने ट्वीट किया कि दिल्ली और बंगाल सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई कि कोविड के दौरान जो बच्चे अनाथ हुए या जिनका एक अभिभावक चल बसा उनकी सही जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। बाल स्वराज पोर्टल पर भी यह जानकारी नहीं है। इससे बड़ा आइना आपको क्या चाहिए केजरीवाल और ममता को। नई दिल्ली की सांसद मीनाक्षी लेखी ने प्रेस वार्ता कर इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी में जिन लोगों की मृत्यु हो गई है उनके बच्चों के लिए केजरीवाल सरकार व ममता बनर्जी सरकार द्वारा कोई सहायता नहीं की गई। ऐसे अनाथ बच्चों की पढ़ाई लिखाई के साथ-साथ उनकी जमीन और संपत्ति को सुरक्षित करना राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है, लेकिन दोनों सरकारें इस बारे में कोई कदम नहीं उठा रही हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार को बताना चाहिए कि इन बच्चों के लिए उनकी सरकार क्या कर रही है। सच्चाई यह है कि इन मासूम बच्चों की सहायता करने का उनका कोई इरादा नहीं है। वह पीएम केयर्स फंड से मिलने वाली सहायता को रोककर सिर्फ राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल हर समय जवाबदेही से बचते हैं और वह चाहे राशन का मुद्दा हो या फिर अनाथ बच्चों का।

बांग्लादेश से भारत में अवैध घुसपैठ कर रहे चीनी नागरिक को बीएसएफ ने पकड़ा

पूछताछ में नहीं मिला संतोषजनक जवाब

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल के सीमावर्ती मालदा जिले से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बांग्लादेश से अवैध तरीके से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारत में प्रवेश करते एक संदिग्ध चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि वह मालदा के मानिकचक से सटे भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र से गुरुवार सुबह प्रवेश कर रहा था, उसी समय वहां ड्यूटी पर तैनात बीएसएफ की 159वीं बटालियन के जवानों ने उसकी संदिग्ध हरकतों को देखकर उसे हिरासत में ले लिया। उनके पास एक लैपटॉप भी था। वह सुबह अवैध रूप से बांग्लादेश से आया था। बांग्लादेश के वीजा वाले चीनी पासपोर्ट को भी जब्त कर लिया गया है। प्रारंभिक पूछताछ के बाद बीएसएफ ने उसे मानिकचक पुलिस स्टेशन को सौंप दिया। पुलिस से मिली सूचना के अनुसार, गिरफ्तार चीनी नागरिक का नाम होन जूं (36) है। वह फिलहाल मानिकचक पुलिस स्टेशन में है और उससे पूछताछ की जा रही है। वह क्यों और किस मकसद से भारत आना चाह रहा था इस बारे में विभिन्न केंद्रीय एजेंसियां भी उससे पूछताछ कर रही है। दरअसल सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि वह खुफिया जानकारी जुटाने के मकसद से तो कहीं भारत नहीं आ रहा था। तमाम पहलुओं को ध्यान में रखते हुए उससे जानकारी जुटाई जा रही है। गौरतलब है कि भारत और चीन के बीच इस समय सीमा विवाद को लेकर तनाव चल रहा है। ऐसे में बांग्लादेश की सीमा से चीनी नागरिक की गिरफ्तारी के बाद कई सवाल खड़े हो रहे हैं। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार, हाल के वर्षों में पहली बार बांग्लादेश सीमा से किसी चीनी नागरिक को पकड़ा गया है। बीएसएफ सूत्रों के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के मालदा में सीमावर्ती इलाके में बीएसएफ के जवानों ने आज सुबह करीब छह बजे चीनी नागरिक को रोका। जवानों ने उससे पूछताछ की तो उसने संतोषजनक जवाब नहीं दिया। तुरंत संबंधित एजेंसियों और स्थानीय पुलिस को सूचित किया गया, एजेंसियां उससे पूछताछ कर रही हैं।

उत्तरी-पूर्वी दिल्ली में तीन लोगों ने एक व्यक्ति को गोली मारी

नयी दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी पूर्वी दिल्ली के नया उस्मानपुर इलाके में तीन लोगों ने कथित रूप से 57 साल के एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को बताया कि घटना बुधवार-बृहस्पतिवार की दरमियानी रात को जगजीवन नगर इलाके की है। सतीश कुमार अपने घर की बालकनी में खड़े थे, तभी बाइक पर सवार होकर आए तीन लोगों ने कथित रूप से उनपर गोली चलायी और फरार हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कुमार को जेपीसी अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों में से एक की पहचान कर ली गयी है। उन्होंने कहा कि उसकी गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि घटना की पूरी जानकारी पाने के लिए वे लोग सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देख रहे हैं। पुलिस ने कहा कि निजी रंजिश सहित सभी पहलुओं से मामले की जांच की जा रही है।

दिल दहला रहे नए आंकड़

कोरोना से देश में 24 घंटे में 6148 लोगों की मौत

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमण के कारण पिछले 24 घंटों के दौरान छह हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जो अब तक एक दिन में हुई मौतों का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इस बीच बुधवार को देश में 33 लाख 79 हजार 261 लोगों का टीकाकरण किया गया जिसके साथ ही 24 करोड़ 27 लाख 26 हजार 693 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना महामारी से पिछले 24 घंटों के दौरान 6,148 लोगों की मौत हुई है जो 18 मई को हुई 4529 मौतों के बाद सबसे बड़ा आंकड़ा है। देश में इस बीमारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर तीन लाख 59 हजार 676 हो गयी है और मृत्यु दर अभी 1.23 फीसदी है। इस दौरान बिहार में सर्वाधिक 3971 लोगों की मौत हुई है। इसी अवधि में 94,052 नये मामले आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर दो करोड़ 91 लाख 83 हजार 121 हो गया। इस दौरान एक लाख 51 हजार 367 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिसे मिलाकर देश में अब तक दो करोड़ 76 लाख 55 हजार 493 लोग इस महामारी को मात दे चुके हैं। देश में सक्रिय मामले 63 हजार 463 कम होकर 11 लाख 67 हजार 952 रह गये हैं। सक्रिय मामलों की दर घटकर चार प्रतिशत रह गयी है जबकि रिकवरी दर बढ़कर अब 94.77 फीसदी हो गयी है। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामले 6051 घटकर 1,64,743 रह गये हैं। इसी दौरान राज्य में 16379 और मरीजों के ठीक होने के बाद कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 55,97,304 हो गयी है जबकि 661 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 101833 हो गया है। केरल में इस दौरान सक्रिय मामले 4189 कम हुए हैं और इनकी संख्या अब 1,39,481 रह गयी है तथा 20237 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोना को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 2524248 हो गयी है जबकि 156 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 10437 हो गयी है। कर्नाटक में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 9,479 घटे हैं जिससे इनकी संख्या 215546 रह गयी है। वहीं 1792 और मरीजों की मौत से मृतकों का आंकड़ा 32291 हो गया है। राज्य में अब तक 2480411 मरीज स्वस्थ हुए हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना के सक्रिय मामले 451 कम हुए हैं और अब इनकी संख्या 4511 रह गयी है। यहां 36 और मरीजों की मौत के साथ इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 24,704 हो गयी है। वहीं 1400913 मरीज कोरोना को मात दे चुके हैं। तेलंगाना में सक्रिय मामले पांच घटकर 24301 रह गये हैं, जबकि अब तक 3426 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 569086 लोग इस महामारी से ठीक हुए हैं। आंध्र प्रदेश में सक्रिय मामले 103995 रह गये हैं।

प्राइवेट कम्पनियों के कोरोना संक्रमित कर्मियों को मिलेगा 28 दिन का वेतन और छुट्टी: योगी

लखनऊ,| सवांददाता

उत्तर प्रदेश में प्राइवेट कंपनी में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए योगी आदित्यनाथ की सरकार ने आज बड़ा ऐलान किया है। सरकार ने इन कंपनियों के ऐसे सभी कर्मचारियों को 28 दिनों का वेतन और छुट्टी देने का आदेश जारी किया है, जिन्हें कोरोना संक्रमण हुआ हो। प्रदेश सरकार ने इस बाबत आदेश जारी कर दिया है। अपर मुख्य सचिव श्रम ने जिलाधिकारियों और कमिश्नरों को पत्र लिखकर निर्देश दिया है। आदेश में कहा गया है कि सरकार द्वारा बंद कराए गए

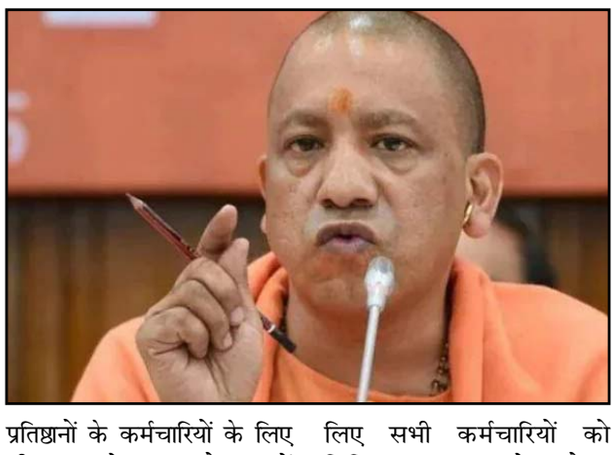

प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों के लिए भी यह आदेश लागू होगा। उन्हें भी कोविड-19 पॉजिटिव होने पर वेतन और छुट्टी दी जाएगी। इसके लिए सभी कर्मचारियों को चिकित्सा प्रमाणपत्र देना होगा। ऐसे सभी कर्मचारियों जिन्हें कोरोना संक्रमण हुआ है और वे आइसोलेशन में रखे गए हैं, उनके नियोजकों की ओर से 28 दिन का वेतन और अवकाश दिया जाए। सरकार ने इसके लिए शर्त भी रख दी है। इसके मुताबिक वेतन और छुट्टी का लाभ पाने के लिए ऐसे कर्मियों को कोरोना निगेटिव होने की रिपोर्ट जमा करनी होगी। ये कर्मचारी अपने दफ्तर में ही सक्षम पदाधिकारी को कोरोना निगेटिव होने की रिपोर्ट देंगे, जिसके बाद उन्हें इस सुविधा का लाभ मिलेगा। योगी सरकार के नए आदेश का लाभ उन कर्मचारियों को भी मिलेगा, जिनके संस्थान या प्रतिष्ठान बंद करा दिए गए हैं। आदेश में कहा गया है कि जिन दुकानों, वाणिज्यिक अधिष्ठान और कारखानों को राज्य सरकार या जिला मजिस्ट्रेट के आदेश से अस्थायी रूप से बंद कराया गया है, उनके कर्मचारियों को भी बंदी अवधि का वेतन और छुट्टी का लाभ देना होगा। ऐसी दुकानों, अधिष्ठानों और कारखानों, जहां 10 या उससे अधिक मजदूर-कामगार काम करते हैं, उन्हें कोविड महामारी की रोकथाम के लिए केंद्र या राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को गोद लेते समय फार्मेसिस्टों के पद बढ़ाने की भी आवश्यता

'फार्मेसिस्ट फेडरेशन ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अनुरोध किया'

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के निर्देश पर पूरे प्रदेश के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को विधायकों एवं मंत्रियों द्वारा गोद लेकर उसकी व्यवस्था को सुदृढ़ करने का स्वागत करते हुए फार्मेसिस्ट फेडरेशन ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर यह भी मांग की है कि वहां उत्कृष्ट कार्य के लिए जनहित में फार्मेसिस्ट के अतिरिक्त पदों के सृजन किया जाना आवश्यक हैं। पत्र की प्रति मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव कार्मिक, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य, महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य को भी प्रेषित की गई है। फेडरेशन ने मुख्यमंत्री सहित सभी विधायकों एवं मंत्रियों का आभार व्यक्त किया है कि प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था को सुधारने हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति सुधारने की एक अच्छी पहल की जा रही है, परंतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की सबसे बड़ी समस्या वहां मानव संसाधन की कमी है, इसलिए वहां के भवनों की मरम्मत के साथ ही मानव संसाधन बढ़ाया जाना भी आवश्यक है। फार्मासिस्ट फेडरेशन (फार्मासिस्ट महासंघ) के अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि ष्मानव के मूल अधिकारों मे राइट टू लाइफ की संवैधानिक व्यवस्था है। इस व्यवस्था में मानव जीवन को भौतिक, मानसिक और आत्मिक रूप से स्वस्थ रंखने का दायित्व सरकार का है। हमारे देश की अधिकांश जनता ग्रामीण क्षेत्रो में निवास करती है अतः प्रदेश के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर जनहित को देखते हुए कार्य एवं आवश्यकतानुसार फार्मेसिस्ट के पदों के मानक में संशोधन किया जाना अनिवार्य है। सुनील यादव ने बताया कि प्रदेश में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) 24 घंटे सेवा देने वाला प्रथम रेफरल केंद्र है, जहां विशेषज्ञ देखभाल की व्यवस्था है। मानक के अनुसार वहां केवल 2 फार्मेसिस्ट के पद हैं जबकि 24 घंटे की 3 शिफ्ट (सुबह 8 से 2, दोपहर 8 से रात 8, रात 8 से सुबह 8 तक) सभी में एक फार्मेसिस्ट आकस्मिक सेवा एवं मेडिकोलीगल के लिए ड्यूटी रूम में रहना अनिवार्य है , लेकिन 2 लोगो से 24 घंटे ड्यूटी रूम में उपस्थिति व्यवहारिक ही नहीं है।

दस आईपीएस अफसरों का तबादला

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में कई आईपीएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लंबे समय से पुलिस मुख्यालय से अटैच अफसरों को तैनाती दी गई है। इनमें आईपीएस वैभव कृष्ण को भी तैनाती दी गई है। वह एसपी सुरक्षा मुख्यालय पद पर भेजे गए हैं। विश्वजीत महापात्र डीजी सिविल डिफेंस बनाए गए हैं, वहीं सतीश माथुर को एडीजी रूल्स मैनुअल्स के पड़ पर नियुक्ति मिली है। इनके अलावा डीआईजी स्थापना और कानून व्यवस्था का काम देख रहे धर्मेंद्र सिंह को डीआईजी ट्रैफिक यूपी बनाया गया है। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटीं अलंकृता सिंह को एसपी 1090 की जिम्मेदारी दी गई है। वैभव कृष्ण को एसपी सुरक्षा मुख्यालय पद पर तैनाती दी गई है, वहीं केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस आए अखिलेश चौरसिया 11वीं पीएसी सीतापुर के सेनानायक होंगे। सुनील सिंह 10वीं पीएसी बाराबंकी के सेनानायक, मोहम्मद इमरान एसपी रेलवे झांसी होंगे। एन रविंदर एडीजी विजिलेंस और सुनील गुप्ता डीआईजी सुरक्षा वाईटल इंस्टालेशन बनाए गए हैं।

पूर्व महामंत्री कान्तिपाण्डे का दी गई श्रंद्धाजंलि

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेशीय चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ और अखिल भारतीय राज्य सरकारी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ की पूर्व महामंत्री कान्ति पाण्डे 9 जून को निधन हो गया गया था। उत्तर प्रदेशीय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष रामराज दुबे की अध्यक्षता में कार्यालय प्रमुख अभियंता लो. नि. वि. परिसर स्थित उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ लो. नि. वि. के कार्यालय में शोक सभा का आयोजन किया गया गया। इसका संचालन प्रदेश महामंत्री सुरेश सिंह यादव ने किया। शोक सभा को सम्बोधित करते हुए महासंघ के अध्यक्ष रामराज दुबे ने बताया कि अखिल भारतीय राज्य सरकारी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ की पूर्व राष्ट्रीय महिला महामंत्री एवं उत्तर प्रदेशीय चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ की पूर्व महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी शिक्षा विभाग की प्रदेश महामंत्री एवं राज्य कर्मचारी महासंघ की वरिष्ठ नेता श्रीमती कांति पाण्डेय का 09 जून 2021 को सांय 4 बजे निधन हो गया था।शिक्षा विभाग से नवम्बर 2019 में सेवानिवृत्त होने के बावजूद उनकी कर्मचारी राजनीति जारी रहीं स्व. कांति पाण्डेय के निधन से काफी गहरा आघात लगा उनके निधन से कर्मचारी समाज स्तब्द्ध है स्व. कांति पाण्डेय के निधन से उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ को अपूर्णीय क्षति हुई है। उनके निधन से हुई क्षति को कभी पूरा नहीं किया जा सकता। स्व. कांति पाण्डेय कर्मचारियों की बहुत ही लोकप्रिय और कर्मचारी हितैषी पदाधिकारी एवं नेता थीं। स्व. कांति पाण्डेय कर्मचारियों के हितों के लिए निरंतर संघर्षरत रही हैं। स्व. कांति पाण्डेय केवल उत्तर प्रदेश की ही नही पूरे देश की लोकप्रिय कर्मचारी नेता थीं। स्व. कांति पाण्डेय पूरे देश के समस्त प्रान्तों सहित उत्तर प्रदेश के समस्त संगठनों की लोकप्रिय रही हैं उनके द्वारा कर्मचारी हित में किये गए कार्यों को कर्मचारी समाज सदैव याद रखेगा उनके निधन पर महासंघ एवं सम्बद्ध संघ गहरी संवेदना व्यक्त करते है। इसे उपरान्त उनके तैल्य चित्र पर संगठन के पदाधिकारियों ने फूल माला अर्पित करते हुए राज्य कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय,उत्तर प्रदेशीय चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ कार्यवाहक अध्यक्ष महेन्द्र पाण्डेय, राज्य कर्मचारी महासंघ के उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, चतुर्थ श्रेणी महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भारत सिंह यादव, जगदीश सिंह, दूधनाथ, सीताराम यादव, नौरिषपॉल, हुसैन अब्बास, मायादेवी, अमित यादव, शेख निसार, सुभाष मिश्रा, शैलेन्द्र शुक्ला, कलावती तिवारी, अजीत यादव आदि ने कहा कि हमारी ईश्वर से प्रार्थना है कि स्व. कांति पाण्डेय के परिवार को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। अखिल भारतीय राज्य सरकारी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ एवं उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ तथा उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ से सम्बद्ध समस्त घटक संघ एवं सदस्य इस दुःख की घड़ी में उनके परिवार के साथ खड़े हैं ईश्वर स्व. कांति पाण्डेय की पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

जिला पंचायत अध्यक्षी हथियाने को भाजपा और सपा में जंग

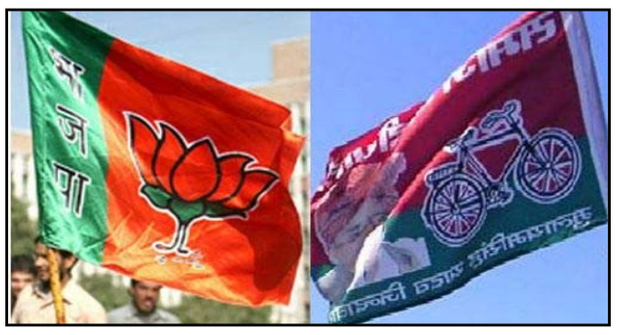

- बीजेपी ने झोंकी ताकत,अध्यक्ष और मन्त्री बैठा रहे गोटे
- निर्दलीयों और बागियों की बल्ले-बल्ले

लखनऊ, संवाददाता। जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लाक प्रमुख जिस दल के ज्यादा जीतते हैं, उसका पलड़ा विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में प्रायः भारी रहता है। यूपी में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव हैं। समय ज्यादा विधानसभा चुनाव के लिए भी नहीं है।इससे पहले पंचायत चुनाव हुए लेकिन बीजेपी को समाजवादी पार्टी ने करारी शिकस्त देकर भाजपा नेतृत्व की पेशानी पर बल डाल दिया है। जिस दल का संगठन बूथ स्तर तक हो और ग्राम प्रधान, वीडीसी,डीडीसी न जीते तो जाहिर है ,हालात सोच से इतर हैं। पंचायत चुनाव को असेम्बली इलेक्शन का सेमीफाइनल माना जा रहा था। बीजेपी ने 3050 जिला पंचायत की सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन पार्टी बीजेपी सीधे तीसरे नंबर पर चली गई। सपा का मनोबल जहां बढ़ गया वहीं रूलिंग पार्टी बीजेपी को हार की समीक्षा करनी पड़ी। एक दूसरे पर पराजय का ठीकरा फोड़ने का दौर तेज होते देख हाईकमान को बैठकें करनी पड़ी।अभी एक मौका अध्यक्ष और ब्लाक प्रमुख जिताकर अपना वर्चस्व स्थापित करने का। अब तो साम दाम दंड भेद जो भी बन पड़े ,करने का वक्त है। लालच बिन कोई क्यो पाला बदल करेगा। बीजेपी ने 75 जिलों के जिला पंचायत अध्यक्ष और 826 ब्लॉक प्रमुखों के चुनाव में ताकत झोंक दी हैं। संगठन से लेकर सरकार तक को रिजल्ट देने की जिम्मेदारी मिली है। बीजेपी ने जीतन की रणनीति बनायी है। पंचायत चुनाव में बीजेपी निर्दलीयों से भी पिछड़ गई। लखनऊ में जिला पंचायत के 25 वार्ड हैं जिसमे बीजेपी के तीन सदस्य जीते, गोरखपुर में जिला पंचायत के 68 वार्ड हैं, जिसमें बीजेपी को 20, मेरठ के 33 वार्डों में बीजेपी की झोली में 6 ही सीट आई। रायबरेली में 52 वार्ड हैं, बीजेपी को 9 सीट, अयोध्या में 40 वार्ड में बीजेपी को 6 मिली. वाराणसी में 40 वार्ड में बीजेपी को सात, प्रयागराज मे 84 वार्ड हैं, बीजेपी को 15 , आजमगढ़ में 84 में से बीजेपी को 10 मिली, आगरा में 51 सीटें हैं जिनमें बीजेपी को 19 मिली हैं। इसके अलावा भी ज्यादातर खुशी देने लायक नहीं हैं। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संगठन बीएल संतोष को लखनऊ आये। पदाधिकारियों से लेकर मंत्रियों तक से हार की वजह पूछी। रिपोर्ट तैयार की और संगठन से लेकर सरकार के मंत्रियों तक को ताकीद किया। जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख जिताने का काम दिया। प्रदेश अध्यक्ष से लेकर महामंत्री संगठन जिलों में दौरा कर रहे हैं। प्रभारी मंत्री अपने जिलों में सक्रिय हैं। 12 जुलाई से पहले 75 जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव हो जाएगा। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह कहते हैं कि कम से कम 50 जिला पंचायत अध्यक्ष बीजेपी के होंगे। बीजेपी की कोशिश निर्दलीयों ,बागियों या दूसरे दलों के सदस्यों को अपने पाले में लाने की है। सांसद, विधायक और एमएलसी अलर्ट हैं और जुटे हैं।

जब देश आपदा में था, तब सरकार ने कमाए करोड़ रुपये: प्रियंका गांधी

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ाने पर सरकार पर सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए गुरुवार को कहा कि सरकार ने एक साल में गत छह जून तक पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाकर 2.5 लाख करोड़ रुपये कमाये हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि पिछले वर्ष छह जून से इस साल छह जून तक सरकार ने पेट्रोल के दाम 24 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम 16 रुपये प्रति लीटर बढ़ा कर ढाई लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का मुनाफा अर्जित किया है। कांग्रेस महासचिव ने फेसबुक पोस्ट में कहा जब देश आपदा में था, लोग आर्थिक संकट झेल रहे थे। तब सरकार ने पेट्रोल डीजल पर टैक्स लगाकर 2.5 लाख करोड़ कमाए। आम लोगों को क्या मिला। उन्होंने पेट्रोल-डीजल के दाम में एक साल में हुई बढ़ोतरी की तुलना करते हुए कहा, ष् छह जून 2020 को प्रति लीटर पेट्रोल का दाम रू 71 रुपये, डीजल का दाम रू 69 रुपये। छह जून 2021 को पेट्रोल का दामरू 95 रुपये, डीजल का दामरू 85 रुपये।

मुख्य सचिव सहित 04 आईएएस पर मैनपावर सप्लाई आरोपों का संज्ञान

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के विभिन्न विभागों में मैनपावर आउटसोर्सिंग में भारी भ्रष्टाचार के संबंध में एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर द्वारा की गयी शिकायत का उत्तर प्रदेश सरकार ने संज्ञान लिया है। नूतन ने अपनी शिकायत में अवनी परिधि कंपनी को करार खत्म होने के बाद भी मैनपावर सप्लाई हेतु प्राधिकृत किये जाने तथा ब्लैकलिस्ट होने के बाद भी लगातार काम मिलने तथा मेसर्स हर्ष इंटरप्राइजेज को बदायूं मेडिकल कॉलेज में बिना सरकारी अग्रीमेंट के मैनपावर का काम दिए जाने तथा उसके द्वारा कन्नौज मेडिकल कॉलेज में तमाम अनियमितता किये जाने के आरोप प्रमाणित होने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं होने के आरोप लगाये थे। उन्होंने मुख्य सचिव आर के तिवारी तथा आईएएस अफसर प्रशांत त्रिवेदी, अरविन्द कुमार एवं रजनीश दूबे द्वारा इन दोनों कंपनियों को अनुचित लाभ देने के भी आरोप लगाये थे. उन्होंने अपने आरोपों की पुष्टि के लिए कई अभिलेख भी दिए थे। इन शिकायतों का संज्ञान लेते हुए विशेष सचिव, नियुक्ति विभाग संजय कुमार सिंह ने नूतन को अपनी शिकायतों की शपथपत्र के माध्यम से पुष्टि करने तथा इन शिकायतों के संबंध में सभी आवश्यक साक्ष्य देने के निर्देश दिए, जिसके क्रम में उन्होंने अपना शपथपत्र व साक्ष्य शासन को प्रेषित कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

रिक्त पदों की भर्ती में आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारियों की नियुक्ति में वरीयता दी जाए

लखनऊ, संवाददाता। इप्सेफके राष्ट्रीय अध्यक्ष वी पी मिश्रा ने भारत सरकार के कैबिनेट सचिव राजीव गाबा के साथ मांगों पर विस्तार से चर्चा की''कैबिनेट सचिव ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं पर वे गंभीरता से चर्चा करके सार्थक निर्णय लेंगे। कोविड-19 में कर्मचारियों का सहयोग सराहनीय है।'इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन (इप्सेफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वी पी मिश्रा ने आज भारत सरकार के कैबिनेट सचिव राजीव गाँबा के साथ वर्चुअल बातचीत की। उन्होंने उन्हें बताया कि देश भर में कर्मचारियों की कुछ महत्वपूर्ण मांगे हैं जिन पर काफी अरसे से लॉक डाउन के कारण न तो चर्चा हुई और ना कोई सार्थक निर्णय हो पाया जिसके कारण कर्मचारियों में नाराजगी व्याप्त है। उनका समाधान आपके स्तर से हो सकता है। कोविड-19 की महामारी के इलाज में लगे दिवंगत कर्मचारियों के परिवार को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण निधि से 50 लाख रुपए का भुगतान तथा मृतक आश्रित को नियमित नियुक्ति, पारिवारिक पेंशन एवं अन्य देयको का तत्काल भुगतान। इसपर भारत सरकार के वित्त मंत्री के आदेश भी हैं।बढ़ती महंगाई भत्ते की किस्तों का एरियर सहित भुगतान। इस महामारी में कर्मचारियों ने विशेष कुर्बानी दी है। इसलिए माह जुलाई में इसका भुगतान मानवीय दृष्टि से किया जाए'। रिक्त पदों की भर्ती में आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारियों की नियुक्ति में वरीयता दी जाए क्योंकि कोविड-19 महामारी में उनका भी विशेष योगदान रहा है काफी संख्या में दिवंगत हो चुके है।' 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को माह जून के बाद 1 जुलाई को मिलने वाले इंक्रीमेंट को जोड़कर पेंशन निर्धारित किया जाए चूँकि एक वर्ष की संतोषजनक सेवा देने पर एक जुलाई को इंक्रीमेंट का लाभ प्राप्त होता है परन्तु 30 जून को सेवानिवृत्त होने के कारण इसका प्राप्त नही हो रहा और इससे उनकी पेंशन पर भी प्रभाव पड़ता है। देश के बढ़ी संख्या में अधिकारी कर्मचारी इससे वांछित रह जाते हैं।इस संबंध में माननीय न्यायालय के भी आदेश हैं।'एक देश एक वेतन नीति के आधार पर देश भर के कर्मचारियों को पद अनुसार समान वेतन एवं भत्ते दिए जाए इससे देशभर में कर्मचारी आंदोलनो में कमी आएगी। इसके लिए राष्ट्रीय वेतन आयोग का गठन किया जाए। कैबिनेट सचिव ने कहा कि वह कर्मचारियों की समस्याओं के बारे में सकारात्मक दृष्टिकोण रखते है और स्थिति सामान्य होने पर इप्सेफ के पदाधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे। उन्होंने अपने संयुक्त सचिव श्री अमन दीप गर्ग को निर्देश दिया कि पर्सनल अफेयर्स एवं पेंशन के अधिकारियों से विस्तृत जानकारी से उन्हें अवगत कराएं । श्री मिश्र ने उनका आभार व्यक्त किया।

लड़कियों को मोबाइल न दें मां-बाप: महिला आयोग सदस्य

लखनऊ, संवाददाता। कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान ऑनलाइन शिक्षण में बेहद अनिवार्य मोबाइल को उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्य मीना कुमारी ने बेहद ही खतरनाक बताया है। मीना कुमारी का मानना है कि मोबाइल से लड़कों से बात करने के दौरान ही लड़कियां घर से भाग जाती हैं। उत्तर प्रदेश में महिला तथा बालिका कल्याण के लिए जिम्मेदार माने जाने वाला उत्तर प्रदेश महिला आयोग ही राह से भटक रहा है। इनके लिए महिला तथा बालिका सुरक्षा सदैव से एक बड़ा मुद्दा रहा है। महिलाओं के साथ होने वाले शोषण, भेदभाव सहित उनके साथ होने वाले अपराध सदैव से चर्चा का विषय बने रहे हैं। इसी दौरान उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य मीना कुमारी ने लड़कियों को लेकर बेहद ही आपत्तिजनक बयान दिया है।

भविष्य में भाजपा के देश की इकलौती पार्टी होगी: राजू श्रीवास्तव

लखनऊ , संवाददाता। कामेडियन से राज नेता बने यूपी फिल्म विकास बोर्ड के अध्यक्ष राजू श्रीवास्तव ने मजाकिया अंदाज में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भविष्य में देश की इकलौती पार्टी रहने की संभावना जाहिर करते हुये कहा कि इस दशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'राजा' की भूमिका में होंगे जिसे देखने की उन्हे बहुत तमन्ना है। राजू ने एक वीडियो वायरल किया है जिसमें वह कह रहे है ÷ इन दिनो कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में आने का चलन बढ़ा है। राहुल गांधी के सभी दोस्त इनका साथ छोड़ छोड़कर इधर-उधर भाग रहे हैं। पहले माधवराव सिंधिया भाजपा में आये और अब जितिन प्रसाद ने भी भाजपा ज्वाइन कर ली। अब कहीं ऐसा न हो कि राहुल गांधी खुद भाजपा में आने की इच्छा जाहिर करें मगर मेरी प्रधानमंत्री मोदी से अपील है कि वह राहुल को भाजपा में न लें क्योंकि कोई तो कांग्रेस में होना चाहिये। उन्होने कहा राष्ट्रीय पार्टी तो एक ही है भाजपा बाकी सब तो क्षेत्रीय और पारिवारिक पार्टी है। अगर विपक्ष ही नहीं रह जाएगा तो नजारा कैसा होगा। मतलब श्री मोदी देश के राजा होंगे। मैने कभी राजा को नहीं देखा। मेरी तमन्ना है कि मै राजा को देंखू।

इस दौरान कामेडियन राजू श्रीवास्तव ने राजनेता की भूमिका को दरकिनार करते हुये श्री जितिन प्रसाद को सलाह दी कि भाजपा वाले काम बहुत कराते हैं। यहां तक कि कुर्सी लगाना और चाय लाने को भी कहा जाता है। मैं खुद घर पर भाजपा हूं, मतलब 'बर्तन झाड़ू पोछा।

भाजपा सरकार जो कुछ देने का वादा करती है वही छीन लेती है: लल्लू

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने केंद्र व राज्य सरकार से मनरेगा सम्बन्धी नीतियों पर सवाल करते हुए कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में भाजपा सरकार बनने के बाद से उसके बजट व रोजगार देने में निरन्तर गिरावट दर्ज हो रही है- जिससे चालू वर्ष में 48: रोजगार घटा है, वही इसमें भ्रटाचार भी बढ़ा है। मनरेगा श्रमिको के भुगतान में भी संकट आ रहा है, उन्होंने अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि ग्रामीण परिवारों के समक्ष रोजी रोटी का संकट विकरालता की तरफ जा रहा है, उनकी क्रय शक्ति कम होने के कारण खर्च कम करने की वजह से आर्थिक मंदी बढ़ रही है, दूसरी तरफ ग्रामीणों को अनेक दुश्वारियो का सामना करना पड़ रहा है, जबकि सरकार रोजगार व मनरेगा के मुद्दे पर लगातार झूठ के सहारे गुमराह कर सवालों के जवाब देने से बच रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि यह जो कुछ भी देने का वादा करते हैं- वही जनता से छीन लेते है, कोरोना संकटकाल में जिस तरह कुशल व अकुशल कामगारों की अपने गृह प्रदेश में वापसी पर मनरेगा में काम देने की घोषणाएं पूरी तरह झूठी साबित हुई हैं। स्थित यह रही कि आवंटित बजट में पिछले वर्ष की तुलना में 35: की कटौती करके ग्रामीण रोजगार को संकट ग्रस्त बनाने में कोई कसर नही छोड़ी, आज यही कारण है कि मनरेगा बेहाल होकर लोगो को काम देने में असमर्थ हुई है, वही जिनको काम मिल भी रहा है उनके भुगतान समय से नही हो रहे है। केंद्र सरकार ने कोरोना संकट काल मे ग्रामीण विकास मंत्रालय के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कमजोर कर दिया जिससे ग्रामीणों की आमदनी का एक बड़ा माध्यम खत्म करने का षडयंत्र करने में उसके द्वारा हिचक नही दिखायी, जिससे बेरोजगारी का दर्द बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसान, मजदूर, बेरोजगार विरोधी भाजपा सरकार ने अर्थव्यवस्था की स्थिति और उसके हिसाब से ग्रामीण क्षेत्रों में आमदनी और मांग बढ़ाए जाने की जरूरत पर गम्भीरता दिखाने के स्थान पर सब कुछ उलट कर दिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के धन में हुई कटौती से ग्रामीण रोजगार में भारी गिरावट से एक बड़ी आबादी के समक्ष बर्बादी का दरवाजा खोलकर चंद औद्योगिक घरानो के हवाले धन के केन्द्रीयकरण का मार्ग खोल दिया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में पिछले वर्ष के 19 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान के मुकबाले 14070 करोड़ करना यह साबित करता है कि ग्रामीणों की भलाई के लिए वह कुछ नही करना चाहती। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी में सरकार रोजगार देने में पूरी तरह विफल साबित हो चुकी है।

मौलाना कल्बे जवाद नकवी की योगी से मांग

मदरसा सुलतानुल मदारिस की जमीन मदरसे के नाम अलॉट की जाये

लखनऊ, संवाददाता। मजलिसे ओलमाए हिंद के महासचिव मौलाना कल्बे जवाद नकवी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सुलतानुल मदारिस के मामले पर मुलाकात करके सुलतानुल मदारिस की कदीम ईमारत जो कि नुजूल की भूमि पर स्थापित है, उसको मदरसा सुलतानुल मदारिस के नाम अलॉट करने की मांग की। मौलान कल्बे जवाद नकवी ने इस मामले पर मुख्यमंत्री को एक पत्र भी सौंपा है जिसमे लिखा गया है कि मदरसा सुलतानुल मदारिस की मौजुदा ईमारत जो 100 साल से भी ज्यादा कदीम है , जिसे मेरे पूर्वजां ने ही तामीर किया था, इस लंबे समय के दौरान, मदरसा सुल्तानुल मदारिस ने महत्वपूर्ण देशभक्तों और आलिमें को पैदा किया है जिन में मेरे दादा स्वर्गीय मौलाना कल्बे हुसैन, मेरे पिता स्वर्गीय कल्बे आबिद और मेरे चाचा स्वर्गीय मौलाना डॉ कल्बे सादिक जिन्हे भारत सरकार ने पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया है, भी शामिल है। मौलाना ने लिखा है कि मैंने भी मदरसा सुलतानुल मदारिस से ही शिक्षा हासिल की है और आज भी इस मदरसे में सैकड़ो शिया छात्र पढ़ रहे हैं। साल 1857 में जब अवध के शिया शासकों ने अंग्रेजो के खिलाफ आजादी का बिगुल फूका था ,उस समय अंग्रेजों ने शियों की संपत्ति पर जबरन कब्जा कर लिया था। साल 1911 में अंग्रेज सरकार के जरिये इस जमीन को 100 साल की लीज पर शिया तबके को एक शिक्षण संस्थान स्थापित करने के लिए दिया गया था। मौलाना ने मुख्यमंत्री को लिखा कि हिंदुस्तान के सभी शियों की भावनाएं सुल्तानुल मदारिस से जुड़ी हैं, इस मदरसे ने जहां देशभक्त पैदा किए हैं, वहीं विद्वानों, कवियों और लेखकों को भी पैदा किया है।वर्तमान में यह मदरसा हुसैनाबाद ट्रस्ट के प्रबंधन में है। इस लिए हम मांग करते है कि मदरसा सुलतानुल मदारिस की जमीन को मदरसे के नाम अलाट किया जाये। ज्ञात रहे कि मदरसा सुलतानुल मदारिस को आयतुल्लाह सैय्यद दिलदार अली गुफ्रांनमाब के बेटे सुल्तानुल उलमा आयतुल्लाह सैय्यद मोहम्मद रिजवानमाब ने नवाब अमजद अली शाह के समय में स्थापित किया था। नवाब अमजद अली शाह और नवाब अमीनुददौला इमदाद हुसैन खां ने मदरसे के निर्माण और उसकी स्थापना में अहम भूमिका निभाई थी। सुल्तानुल उलमा से निसबत की बुनियाद पर ही इस मदरसे को मदरसा-ए -सुल्तानिया या मदरसा सुलतानुल मदारिस कहा जाता है।

30 करोड़ पौधरोपण कार्यक्रम को कुपोषण निवारण केन्द्रित बनाया जा रहा

लखनऊ, संवाददाता। आगामी वर्षाकाल में 30 करोड़ पौधरोपण कार्यक्रम को कुपोषण निवारण एवं प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि केन्द्रित बनाया जा रहा है। प्रदेशवासियों विशेषकर महिलाओं, बच्चों एवं निर्बल व निर्धन वर्ग में कुपोषण व भोजन की समस्या के दृष्टिगत सहजन एवं गरीबों के जीवन में उपयोगिता के कारण ''गरीब का भोजन'' की उपमा से विभूषित महुआ पौध का रोपण वृहद् स्तर पर किया जा रहा है सहजन तीव्र गति से बढ़ने वाला मध्यम आकार व लम्बी फलियों वाला पर्णपाती वृक्ष है। सहजन सूखा सहन करने वाला वृक्ष है। सहजन का उत्पत्ति स्थान भारत है। नई पत्तियों व फलियों का उपयोग सब्जी व परामपरागत औषधि के रूप में के कारण वन विभाग द्वारा विभागीय वृक्षारोपण कार्यक्रमों में सहजन का रोपण वृहद् स्तर पर किया जा रहा है, वन विभाग की नर्सरी में 78 लाख से अधिक पौधे हैं। सहजन की पत्तियों एवं फलों में कैल्शियम, आयरन, विटामिन ए,बी,सी व ई प्रोटीन प्रचुर मात्रा पाया जाता है। सहजन की पत्तियों, बीज व फल से गठिया, मधुमेह, चर्मरोग सहित विभिन्न रोगों की औषधियां तैयार होती हैं। सहजन के पौधे बीज बुवान, पौधशाला में पौध विकसित कर एवं कटिंग द्वारा रोपण क्षेत्रों में लगाए जा रहे हैं। महुआ मोटे तने, फैली शाखाओं, गोल छत्र वाला विशाल व बहु उपयोगी वृक्ष है। इसके मीठे फूल आदिवासियों और गॉवों के निर्धन परिवारों का मुख्य भोजन है। इसे कच्चा या पका कर खाने, सुखाकर आटे में मिलाकर रोटी बनाने या शराब बनाने के काम में लाया जाता है। यह अति निर्धन वर्ग के ग्रामवासियों का मुख्य भोजन होने के कारण वृक्षारोपण क्षेत्र में बड़ी संख्या में रोपित किया जा रहा है। प्रदेश की पौधशालाओं में महुआ के 8.30 लाख से अधिक पौधे रोपण हेतु उपलब्ध हैं। कुपोषण निवारण एवं प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करने वाले कुल फलदार 61264367 तथा औषधीय एवं सुगन्धित 43602062 पौधे वन विभाग की पौधशालाओं में आगामी वर्षाकाल में रोपण हेतु उपलब्ध हैं।

अडवांस सिक्योरिटी से लैस होगा गोरखनाथ मंदिर और सीएम आवास, तैनात किए जाएंगे कमांडो यूनिट्स

गोरखनाथ मंदिर और सीएम आवास की सुरक्षा के लिए मंदिर परिसर में कमांडो यूनिट तैनात किए जाएंगे। अभी तक मंदिर और सीएम आवास की सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी अटैच किए जाते थे जबकि अब कमांडो यूनिट स्थापित किए जाएंगे। गोरखपुर/उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के एडीजी अखिल कुमार ने गोरखनाथ मंदिर और सीएम आवास की सुरक्षा के लिए नए सिरे से प्लानिंग करते हुए वहां कमांडो यूनिट तैनात करने का फैसला लिया है। यह यूनिट एडवांस सुरक्षा तकनीकों से लैस होगी। वर्तमान में मंदिर परिसर की सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी अटैच किए जाते हैं। अब गोरखनाथ मंदिर और सीएम योगी आदित्यनाथ के आवास की सुरक्षा के लिए कमांडो यूनिट के साथ ही पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे।

गोरखनाथ मंदिर परिसर

ये सभी पुलिसकर्मी हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर, डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर, बम निरोधक दस्ता से लैस होंगे। मंदिर परिसर में कमांडो यूनिट तैनात किए जाने का मकसद है कि शहर में कहीं भी कभी कोई अनहोनी वारदात हो जाती है तो कमांडो फौरन मौके पर पहुंच सकते हैं। वर्तमान में लखनऊ से कमांडो टीम बुलाई जाती है।

पहले भी शहर में हो चुकी हैं आतंकी वारदात

गोरखपुर शहर में साल 1993 में मेनका टॉकीज और 2007 में गोरखपुर के हृदयस्थली कहे जाने वाले गोलघर में एक ही दिन तीन जगहों पर सीरियल ब्लास्ट हुए थे। इसके अलावा कई बार गोरखनाथ मंदिर को लेकर धमकियां मिल चुकी हैं। इसके बाद एडीजी ने मंदिर की सुरक्षा के लिए स्पेशल पुलिस फोर्स तैनात करने का फैसला लिया है। वर्तमान में दो कंपनी पीएसी,135 कॉन्स्टेबल,140 होमगार्ड और करीब 600 पुलिसकर्मी मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था में लगे हुए हैं। एसएसपी दिनेश कुमार प्रभु ने बताया कि एडीजी के निर्देश पर मंदिर और मंदिर में स्थित सीएम आवास में अडवांस तकनीक से लैस पुलिसकर्मी और कमांडो यूनिट तैनात किए जाने का प्रस्ताव मिला है। जल्द ही उस पर अमल किया जाएगा।

गाँव में कैम्प के तहत लगी वैक्सीन

गोण्डा। कोरोना संक्रमण को खत्म करने के लिए चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान के तहत बुधवार को जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनजोत के द्वारा ग्रामसभा कमालपुर के प्राथमिक विद्यालय कछवन बुजुर्ग में 40 लोगों को कोविड वैक्सीन लगाया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ.तरुण मौर्या ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर 18 से 44 वर्ष की आयु वाले लोगों को टीका लगाया जा रहा है। स्थानीय लोगों की मांग पर स्वास्थ्य विभाग टीम ने एक दिवसीय टीकाकरण कैंप का आयोजन किया। कैम्प में हरूनीलम,हरूमधु ,प्रधानाध्यापक अरविन्द प्रताप,सहायक अध्यापक सुनीता वर्मा, शिक्षामित्र जय प्रकाश वर्मा,आंगनबाड़ी बिन्दु वर्मा,आशाबहू शारदा सिंह मौजूद रही। वहाँ पर मौजूद सभी लोगों का कहना है कि सभी लोग वैक्सिनेशन जरूर करवाएं। इसका कोई साइड इफ़ेक्ट नहीं है। गांव में जाकर स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ मिलकर वैक्सीनेशन व सैंपलिंग के लिए जागरूक किया जा रहा है। यदि हमें इस बीमारी को हराना है तो सभी लोग आगे बढ़कर वैक्सीन जरूर लगवाएं।

जालसाजी करने के 2 वांछित अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गोण्डा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत वांछित अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को कड़े निर्देश दिए थे। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना को0 नगर पुलिस ने मु0अ0सं0- 599/20, धारा 419, 420, 467,468,471 भादवि से सम्बन्धित वांछित अभियुक्तों-01. तालुक दार, 02. विधा कहार को गिरफ्तार कर लिया गया। उक्त अभियुक्तों ने वादी मो0 शाहिद पुत्र सादिक नि0 मलियन डेहली जेट थाना को0 नगर जनपद अलीगढ की फर्जी वसीयत तैयार कराकर कौड़िया धर्मपुर स्थित जमीन का बैनामा करा लिया था। जिसके संबंध में वादी द्वारा थाना कोतवाली नगर में मुकदमा पंजीकृत कराया गया था। गिरफ्तार अभियुक्तों को वास्ते रिमांड माननीय न्यायालय रवाना किया गया।

पंचवटी उपवन वृक्षारोपण समारोह का आयोजन किया गया

❑ शुद्ध वातावरण के लिए अधिक वृक्षारोपण किया जाएः अन्ना सिंह ❑ वृक्ष ऐसे लगावो जैसे एक अध्यापक स्कूल में बच्चों के जीवन की नींव रखता है

गोण्डा। बृहस्पतिवार को ग्रामसभा खजुरी गोनहा गोण्डा के अमर सेनानी बाबू द्वारिका सिंह लघु माध्यमिक विद्यालय खजुरी के प्रांगण में ग्रामसभा के नेतृत्वकर्ता और विद्यालय के प्रबंधक अग्रज श्रीमान रुद्र बहादुर सिंह हेमू सिंह, और ग्रामसभा के सचिव श्रीमान श्याम जी पांडेय जी के नेतृत्व में पंचवटी उपवन वृक्षारोपण समारोह बृहस्पतिवार को भव्य आयोजन किया गया। जिसमे उपस्थित साथियों के द्वारा वृक्षारोपण के महत्व को उद्घाटित किया गया। तथा ग्रामसभा प्रतिनिधि महोदय और सचिव महोदय के द्वारा वृक्षारोपण के संदर्भ में विचार प्रकट किया गया। तथा इसके रख रखाव पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में,श्री चन्द्र प्रकाश सिंह जी,इंद्रजीत सिंह जी,मनोज कुमार सिंह जी,अन्ना सिंह जी, राजन सिंह जी, नितिन सिंह जी ,शिवम सिंह जी,रमेश जायसवाल जी ,गुड्डू यादव जी,गमड़ी जी आदि ग्रामवासियों की मौजूदगी में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

कोरोना से मरनेवाले मृतकों को मौन धारण कर दी गयी श्रद्धांजलि

महराजगंज। थाना परसा मलिक में पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार गुप्ता के आदेश अनुसार कोरोना काल में दिवंगत हुए लोगों केलिए मौन धारण कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित किया गया बतादें की एक तरफ जहाँ पुलिस के जवान व उच्च अधिकारी सेवा करने हेतु अपनी जान जोखिम में डालकर अपने क्षेत्रवासियों व देशवासियों की सेवा व सुरक्षा में दिन और रात कड़ी मेहनत करके सुरक्षा व्यवस्था व कोविड 19 नियमों का पालन करने एवं कराने में लगे हुए हैं और कोरोना जैसे खतरनाक बीमारी व महामारी को भगाने के लिएअपनी जान जोखिम में डालकर देश वासियों को बचाने के लिए अपनी अहम भागीदारी निभा रहे हैं जिससे पुरे देश व क्षेत्र वासियों को पुलिस के जवानों पर गर्व है वहीँ दूसरी तरफ थाना परसा मलिक प्रभारी शाह मोहम्मद ने आज दो मिनट का मौन धारण कर एक सराहनीय कार्य करते हुए नजर आये है परसा मलिक प्रभारी ने अपने पुलिस के जवानों को सम्बोधित करते हुए कहा की आप लोग कोरोना से हमेशा सावधान रहें एक दूसरे से उचित दूरी बनायें रखें साफ सफाई पर विशेष ध्यान रखें अपने थाना क्षेत्र के सभी गाँवों को पुलिस द्वारा रक्षा एवं सुरक्षा एवं कोरोना से बचने का भरोसा दिलाएं थाना क्षेत्र से आये हुए फरियादीओ की हर संभव मदद करने का प्रयास करें उन्हें सही दिशा निर्देश दें ताकि कोई भी फरीयादी अपनी बात पुलिस से आसानी से कह सके ताकि हमारे देश के लोगों का भविष्य उज्जवल हो सके और आगे उन्होंने दो मिनट का मौन धारण कर कोरोना जैसे खतरनाक बीमारी से अपनी जान गवांने वाले लोगों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि भी अर्पित किये इस मौके पर थाना प्रभारी शाह मोहम्मद एस आई अमित सिंह सेवतरी चौकी प्रभारी प्रिंस कुमार एस आई ससि कुमार कॉन्स्टेबल विवेक यादव कॉन्स्टेबल शंकर दयाल कॉन्स्टेबल अभिलेश कुमार कॉन्स्टेबल संजय यादव कॉन्स्टेबल शिवा नन्द व महिला कॉन्स्टेबल साधना सिंह पम्मी सिंह पूनम सिंग आदि पुलिस के जवान मौजूद रहे।

पुराने विवाद को लेकर हुई मारपीट में इलाज के दौरान बृद्ध की मौत

दो पक्षों में लाठी डंडे से जमकर हुई मारपीट इलाज के दौरान एक की हुई मौत

गोरखपुर/चिलुआताल थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा देवीपुर टोला लक्ष्मणपुर गांव में मंगलवार की रात दो पक्षों में लाठी-डंडे से जमकर मारपीट हो गई थी जिसमें दोनो पक्षो से लगभग आधा दर्जन लोगो को चोटे आई थी सूचना पर पहुंची चिलुआताल पुलिस एक पक्ष के मनोज कुमार पुत्र रामसावर निवासी देबीपुर टोला लक्ष्मणपुर के तहरीर पर धारा 147/323 के तहत व दूसरे पक्ष के उर्मिला देबी पत्नी कपिल देव निवासी देबीपुर टोला लक्ष्मणपुर के तहरीर पर धारा147/323/308/504/506 के तहत मुकदमा कायम कर घायलो को इलाज के लिये बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती करा दिया था। जहां इलाज के दौरान बीती रात को रामदास 85 वर्षिय पुत्र स्वर्गीय मनरूप की मौत हो गयी मौत की सूचना मिलते ही गांव में अफरा तफरी का माहौल हो गया। पर हरकत में आई पुलिस ने नामजद अभियुक्तो की तलास में जुट गयी है मिली जानकारी के अनुसार चिलुआताल थाना क्षेत्र ग्राम सभा देबीपुर के टोला लक्ष्मणपुर टोला के धर्मेंद्र व पड़ोसी रामदास के बीच गाय बांधने को लेकर मंगलवार की रात कहासुनी के बाद जमकर मारपीट हो गई थी।इस दौरान बीच-बचाव करने आए 85 वर्षीय रामदास व उनकी पत्नी गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। जिसमें दोनों की हालत गंभीर हो गयी, परिवार के लोगों ने दोनों को इलाज हेतु तत्काल बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती करा दिया गया था मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों का चिकित्सीय परीक्षण कराकर मुकदमा दर्ज कर नामजद अभियुक्तो की तलास कर रही थी। मगर रामदास की मौत के बाद अब पुलिस नामजद अभियुक्तों की तलास में सरगर्मी से जुट गयी है।

मेहनत व लगन से सिपाही बना कल्याण विकास दल अधिकारी

मेहनत व लगन हो तो इंसान के लिए कोई लक्ष्य नामुमकिन नहीं है। इसे साबित कर दिखाया है जनपद वाराणसी के ब्लाक चिरईगांव के रुस्तमपुर गांव के निवासी राजन यादव ने कामयाबी की राह में परिवार की गरीबी को भी बाधा नहीं बनने दिया। पहले सिपाही बने और उसके बाद नौकरी में रहते हुए भी तैयारी जारी रखी। उनका चयन कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी के पद के लिए हुआ है। बरियासनपुर स्थित महाविद्यालय से स्नातक कर महज 531 सीट में अपना परचम लहराया विकासखंड चिरईगांव के रुस्तमपुर गांव पोस्ट आशापुर थाना चौबेपुर के रामसकल यादव के बेटो और बेटियों में तीसरे नंबर पर राजन यादव जनपद महराजगंज के थाना परसामलिक में 2019 बैच के आरक्षी पद पर तैनात है वही इनके बड़े भाई प्रदीप यादव उत्तर प्रदेश पुलिस में 2015 बैच के कांस्टेबल पद पर कार्यरत है राजन यादव के इस सफलता पर परसामलिक प्रभारी निरीक्षक शाह मुहम्मद ने बधाई दिया राजन यादव बताते हैं कि शुरू से लक्ष्य तय किया था कि पीसीएस अधिकारी बनना है। सिपाही बनने के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस के रूप में काम मिल गया तो लाइन में रहते हुए जब भी मौका मिलता तैयारी जारी रखी। नौकरी के दौरान कोचिंग सक्सेस मिरर से किया प्रबंधक श्री प्रमोद कुमार गुप्ता को मैं आभार व्यक्त करता हूँ अधिकारियों व सहकर्मियों ने भरपूर सहयोग दिया। रोज छह से सात घंटे पढ़ाई के लिए निकाल ही लेता था। राजन बताते हैं कि पुलिस विभाग में छुट्टी आदि की कोई समस्या नहीं है। अब वह सिपाही की नौकरी से इस्तीफा देकर अधीनस्थ सेवा आयोग से मिला पद ज्वाइन करेंगे। इसके बाद भी तैयारी जारी रखेंगे। उनकी सफलता पर पिता,मां भाई,व क्षेत्र के आदि लोगो ने खुशी जतायी है।

कोरोना महामारी संक्रमण घटा तो इंसेफेलाइटिस ने दे दी दस्तक, 20 मरीज भर्ती, 4 की हुई मौत

गोरखपुर/कोरोना महामारी संक्रमण के बीच इंसेफेलाइटिस ने भी दस्तक दे दी है। गोरखपुर में इस साल अब तक इंसेफेलाइटिस के 20 मरीज मिल चुके हैं, जबकि चार मरीजों की मौत भी हुई है। इस दस्तक ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। इंसेफेलाइटिस पीड़ित बच्चों को संक्रमण का खतरा सबसे अधिक है। कोरोना संक्रमण के साथ ही इंसेफेलाइटिस के मामले बढ़ने लगे हैं। इस साल जनवरी से अबतक 20 बच्चे इंसेफेलाइटिस की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 4 बच्चों की मौत भी हुई है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ गणेश कुमार ने बताया कि मेडिकल कॉलेज हर तरह की चुनौती से निपटने के लिए तैयार है। कोरोना के तीसरी लहर से पहले ही मेडिकल कॉलेज में बच्चों के लिए अलग से 100 बेड का पीडियाट्रिक वार्ड बनकर तैयार है। रही बात इंसेफेलाइटिस की तो उसके अलग वार्ड बनाए गए हैं। इन वार्डों में मरीजों का इलाज चल भी रहा है।

इन स्वास्थ्य केंद्र के क्षेत्रों में मिले हैं मरीज

सहजनवां में तीन मरीज, पिपरौली में एक, सरदारनगर में दो मरीज एक की मौत, पिपराइच में दो, बेलघाट में तीन मरीज एक की मौत, चरगांवा में दो मरीज एक की मौत, खोराबार में एक, खजनी एक, गोला में दो मरीज एक की मौत, जंगल कौड़िया में दो और कैम्पियरगंज में एक मरीज इंसेफेलाइटिस का मिला है।

झारखंड की स्वास्थ्य मंत्री बन्ना द्वारा नाई समाज को नउवा कहने से नाई समाज हुवा आक्रोशित

अयोध्या। झारखंड सरकार में स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता द्वारा नाई समाज को नउवा कहे जाने से नाई शर्मा सेन ठाकुर व सविता समाज में आक्रोश व्याप्त हो गया है। राष्ट्रीय कर्पूरी ठाकुर विचार मंच युवा मोर्चा के उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम बिहारी ठाकुर ने इसकी कटु आलोचना की है। श्री ठाकुर ने कहा है कि मंत्री बन्ना गुप्ता को इसके लिए लिखित माफी मांगना चाहिए। हमें लगता है कि उनकी मनोदशा ठीक नहीं है। वहां की सरकार उनका मेंटल चेकअप करा कर इलाज कराएं। श्याम बिहारी ठाकुर ने कहां की हम नंदवंशी हैं। हमारा समाज राष्ट्र के निर्माण में महती भूमिका निभाता है। पूर्व मुख्यमंत्री बिहार जननायक स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर ने बिहार का मुख्यमंत्री बनकर वहां का पूर्ण विकास कराया। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता द्वारा नाउ समाज को नउवा कहने पर आक्रोश व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि एक मंत्री को

ऐसे शब्द कहना शोभा नहीं देता है। इसके लिए उन्हें मीडिया के सामने आकर लिखित रूप से माफी मांगनी चाहिए नही तो हम सब उनका लोकतान्त्रिक रूप से विरोध करेंगे। इस दौरान श्री ठाकुर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2022 चुनाव की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। हमारे समाज के कई नेता भी उत्तर प्रदेश के कई सीटों पर विधायकी का चुनाव लड़ने हेतु तैयारियां कर रहे हैं। हम समाज के लोगों से आवाहन करते हैं कि उनका साथ दें। शासन सत्ता में बिना पैठ व सहभागिता के किसी भी समाज का विकास नहीं हो सकता है। अतः आवश्यक है कि नाई सेन सविता शर्मा व ठाकुर समाज राजनीति में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले, व तन मन धन से समर्पित होकर अपने समाज के संभावित प्रत्याशियों को विजयश्री दिलावे। हमारे द्वारा पूरे प्रदेश में भ्रमण कर रूपरेखा बनाई जा रही है। हमें पूर्ण विकास है कि 2022 में हम नया इतिहास रचेंगे। जो नाई हित की अब बात करेगा, वही देश व प्रदेश में राज करेगा।

संदिग्ध परिस्थितियों मे मंद बुद्धि बालक की मौत

गोरखपुर/गुलरिहा थाना क्षेत्र के सरहरी पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम सभा करमौरा टोला ठिकहवा निवासी ओम प्रकाश निषाद के पुत्र राज (10 वर्षीय)की गुरुवार को सुबह करीब 8 बजे संदिग्ध हाल मे मौत हो गयी।सूचना पर पहुंची सरहरी चौकी की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को गांव पर ही एक व्यक्ति के घर मुंडन संस्कार था जिसमे ओमप्रकाश का पुत्र राज अपने दादी के साथ गया था।जहां खेलने के दौरान एक 15 वर्षीय किशोर से मारपीट हो गया था जिससे वह अचेत हो गया था।बेटे के अचेत होने की सूचना पर ओमप्रकाश निषाद पहुंचा और किशोर को थप्पड़ मार दिया जिससे नाराज कुछ लोगों ने ओमप्रकाश को मार पीट दिया जिससे उसके सिर मे चोट आ गयी। उसके बाद वह बेटे को लेकर घर चला गया।ओमप्रकाश ने बताया कि मृतक राज कुछ देर बाद ठीक हो गया और रोज की तरह रहने लगा था।

मुख्य मार्ग पर पानी के जमाव से राहगीर परेशान

महराजगंज। थाना परसा मलिक क्षेत्र के सेखुआनी शिवपुरी परसा होते हुए सेवतरी को जाने वाले मुख्य मार्ग पर पानी भर जाने के कारण राहगीरों को आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है मिली जानकारी के अनुसार सेखुआनी सेवतरी एसएसबी कैम्प को जाने वाली मुख्य मार्ग पर हलकी सी बरसात होजाने से रोड पर काफी पानी जमा हो जाता है जिसके कारण राहगीरों व क्षेत्र के लोगो को आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़र हा है बतादें की अभी कुछ ही महीने पहले ही इस सड़क की मरम्मत व रिपेयर का काम करवाया गया था लेकिन कुछ ही दिनों में रोड जस की तस हो गयी आज इस मुख्य मार्ग की हालत बद से बत्तर हो चुकी है जगह सड़क की छरी व बोल्डर भी उधड गयी है जो किसी बड़ी दुर्घटना को दावत दे रही है आये दिन इस मुख्य मार्ग से अधिकारियों से लेकर ग्रामीणो के हजारों लोगों का आना जाना लगा रहता है लेकिन उसके बावजूद भी सरकार व पीडब्लूडी के कोई भी जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारी इसकी सुधि भी लेने नहीं आरहे हैं अब सवाल यह है कि एक तरफ जहां मोदी सरकार शहर से लेकर गाँव तक को डिजिटल इंडिया बनाने के लिए पानी की तरह पैसे बहा रही है वहीँ दुसरी ओर मोदी सरकार के ही कुछ भ्रष्ट अधिकारी व पीडब्लूडी के कर्मचारी सरकार के नीतियों पे पानी फेरते नजर आ रहे हैं।

टीकाकरण को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग ने पार्षदों से मांगा सहयोग

❑ महापौर की अध्यक्षता में यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग से हुआ वर्चुअल अभिमुखीकरण ❑ एसडीएम ने भी पार्षदों से टीकाकरण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की ❑ 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों की भ्रांतियां दूर करने और टीकाकरण के लिए प्रेरित करने की अपील

गोरखपुर/शहरी क्षेत्र में कोविड टीकाकरण को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने पार्षदों को भी जोड़ना शुरू कर दिया है। इस संबंध में यूनिसेफ संस्था की मदद से महापौर सीताराम जायसवाल की अध्यक्षता में पार्षदों का वर्चुअल अभिमुखीकरण गुरूवार को किया गया। इस कार्यक्रम से जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. नीरज कुमार पांडेय और एसडीएम सदर रजत वर्मा भी जुड़े। महापौर, एसडीएम सदर और जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने अपील की कि पार्षदगण अपने-अपने वार्ड के लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करें। यूनिसेफ के डीएमसी गुलजार त्यागी और नीलम यादव ने पार्षदगण को कोविड की रोकथाम और टीकाकरण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने कहा कि कोविड के मामले ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्र में ज्यादा पाए गए। शहरी क्षेत्र में पार्षदगण का काफी प्रभाव रहता है और समुदाय उनसे सीधे तौर पर जुड़ा रहता है। अगर पार्षदगण लोगों को टीकाकरण का महत्व बताएंगे, उनके मन की भ्रांतियां दूर करेंगे और पंजीकरण में सहयोग करेंगे तो निश्चित तौर पर लोग टीकाकरण के लिए आगे आएंगे। अभिमुखीकरण में इस बात पर जोर दिया गया कि 45 वर्ष से अधिक उम्र वालों को हर वार्ड में चिन्हित कर टीकाकरण बूथ तक पहुंचाया जाए। कोविन पोर्टल पर पंजीकरण के बारे में भी जानकारी दी गयी। कार्यक्रम के दौरान पार्षदों ने सवाल पूछ कर अपनी शंकाओं का समाधान भी किया। अभिमुखीकरण कार्यक्रम को सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफॉर) के क्षेत्रीय समन्वयक वेद प्रकाश पाठक ने भी संबोधित किया।

टीकाकरण ही सशक्त विकल्प

डॉ. नीरज कुमार पांडेय ने बताया कि कोविड से बचाव का मॉस्क, दो गज की दूरी और हाथों की स्वच्छता के अलावा एक सशक्त विकल्प टीकाकरण ही है । यह देखा गया है कि टीका लगवाने वाले भी कोविड पॉजिटिव तो हुए लेकिन उनमें जटिलताएं कम सामने आईं और मृत्यु तो न के बराबर हुई। इसलिए सभी लोगों को कोविन पोर्टल पर पंजीकरण करवा कर कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए टीकाकरण करवाना चाहिए। टीकाकरण के बाद भी कोविड प्रोटोकॉल का पालन करना है। जिन लोगों को पहली डोज लगवाने के बाद कोविड हो जाए उन्हें ठीक होने के तीन माह बाद दूसरी डोज लेनी है।

वैक्सीन लगवाने के मामले में पीछे रहा ग्रामसभा सिंगारघाट

गोण्डा। कोरोना संक्रमण को खत्म करने के लिए चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान के तहत गुरुवार को जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनजोत के द्वारा ग्रामसभा सिंगारघाट के प्राथमिक विद्यालय सब्बनजोत में 10 लोगों को कोविड वैक्सीन लगाया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ.तरुण मौर्या ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर 18 से 44 वर्ष वाले लोगों को टीका लगाया जा रहा है। ग्रामसभा सिंगार घाट में एक दिवसीय टीकाकरण कैंप का आयोजन किया। कैम्प में एनम उर्मिला,एनम पूनम, प्रधानाध्यापक वीरेन्द्र तिवारी,सहायक अध्यापक आलोक वर्मा और विनय कुमार वर्मा, लेखपाल लल्लन प्रसाद, सफाईकर्मी राम शंकर, शिक्षामित्र सरोज श्रीवास्तवा और प्रतिभा सिन्हा,आंगनबाड़ी नीलम,आशाबहू वीना श्रीवास्तवा मौजूद रहीं। ग्रामसभा सिंगारघाट में वैक्सीन लगवाने वालों की संख्या बभनजोत ब्लॉक में सबसे कम है। जहाँ वैक्सीन लगवाने वालों की संख्या विद्यालय स्टाफ और अस्पताल के स्टाफ की संख्या से भी कम है। जिन लोगों ने वैक्सीनेशन करवाया है उनका कहना है यदि हमें इस कोरोना रूपी महामारी को हराना है तो समस्त ग्रामवासियों को वैक्सीन जरूर लगवाना चाहिये।

सीओ गोरखनाथ असुरन पुलिस चौकी पर लगाएं वटवृक्ष

गोरखपुर/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार पी के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक नगर सोनम कुमार के देखरेख में शाहपुर थाना क्षेत्र के असुरन चौकी पर क्षेत्राधिकारी गोरखनाथ रत्नेश सिंह ने वट वृक्ष किया रोपड़ अपने अन्य कर्मचारियों से भी वृक्ष लगाने के लिए किया प्रेरित।

गोरखपुर में जंगल की निगरानी के लिए मिले 12 स्मार्ट स्टिक, जानिए क्या है इसकी खासियत

इसके सेंसर से कम समय में जंगल के अंदर का साथी दूसरे साथी को अवैध गतिविधियों की जानकारी आसानी से दे सकेगा

गोरखपुर/जंगल की निगरानी करने के लिए वन विभाग भी अब आधुनिक तकनीक का सहारा लेना शुरू कर दिया है। इसी क्रम गोरखपुर वन विभाग को 12 स्मार्ट स्टिक मिले हैं। इसे सभी रेंज में जल्द ही भेजा दिया जाएगा। डीएफओ अविनाश कुमार ने इसकी खासियत के बारे में कहा कि इसके सेंसर से कम समय में जंगल के अंदर का साथी दूसरे साथी को अवैध गतिविधियों की जानकारी आसानी से दे सकेगा। बताया कि स्टिक में सेंसर का बटन होता है। जिसे दबाने पर सायरन की तरह आवाज निकलती है जो तीन किमी दूर दूसरे साथी तक जाती है। साथ ही दूसरे साथी के मोबाइल पर उस जगह की लोकेशन मिल जाती है। इसके अलावा बटन दबाते ही तेज लाइट जलने लगती है। यह सामान्य रोशनी की तरह नहीं होगी। बताया कि इसे अभी सभी रेंज में भेजा जाएगा। रेंजर और वन रक्षक इसका प्रयोग करेंगे। इसके साथ आने वाले दिनों में इसे और मंगाया जाएगा।

सहजनवां विधानसभा कार्यालय पर हुआ आम आदमी पार्टी की समीक्षा बैठक

गोरखपुर/आम आदमी पार्टी सहजनवा कार्यालय पर प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्वांचल विजय आनंद उपाध्याय जी के अध्यक्षता में सहजनवा में संगठन विस्तार के लिए महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें सिद्धार्थनगर जिला अध्यक्ष गोरखपुर जिला अध्यक्ष संत कबीर नगर जिला अध्यक्ष कोषाध्यक्ष गोरखपुर कोषाध्यक्ष संत कबीर नगर महानगर सचिव मीडिया प्रभारी एवं आशीष चौरसिया जी व बलराम कनौजिया जी को उनके ग्रुप के साथ आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई गई कार्यक्रम में आशीष पांडे पूरन चंद उपाध्याय अजीत धीरेंद्र सूरज प्रजापति गौरव श्रीवास्तव अखिल उपाध्याय अभय श्रीवास्तव कमलेश शर्मा धनंजय कुमार धीरेंद्र प्रताप जायसवाल धीरेंद्र उपाध्याय जन्मेजय त्रिपाठी संजय कुमार क्या हाल नरेंद्र देव उपाध्याय राहुल रजत कमलेश प्रभात के धनंजय कुमार श्रीवास्तव अष्टभुजा उपाध्याय आदि उपस्थित रहे नरेंद्र निषाद गोलू यादव कमलेश शर्मा अभय वर्मा शुभम चौहान विवेक कुमार सागर एके श्रीवास्तव बलवंत राय आशीष कुमार अभय कुमार दया निषाद आदि उपस्थित रहे।

बिहार को मिले विशेष राज्य का दर्जा

नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट में सतत विकास लक्ष्य हासिल करने में पिछड़ने को लेकर बिहार केंद्रित चर्चा जोरों पर है. लेकिन अगले वर्ष की रिपोर्ट में बिहार की तस्वीर बेहतर हो, इस पर चर्चा नदारद है. बिहार विशेष राज्य के दर्जे की मांग दोहराता रहा है. लंबे समय से राज्य के लगभग सारे राजनीतिक दल एक सुर से विशेष दर्जे की मांग करते आ रहे हैं. मौजूदा समय में एक बार फिर यह मांग प्रासंगिक हो गयी है क्योंकि बिहार को अन्य राज्यों के समतुल्य खड़ा करने के लिए विशेष दर्जा ही कारगर समाधान है. कुछ वर्षों के लिए 14वें वित्त आयोग की अनुशंसा ने विशेष दर्जा देनेवाले प्रावधान को समाप्त कर इस बहस को कुछ दिन के लिए एकतरफा कर दिया था, लेकिन 15वें वित्त आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि राज्यों को 'विशेष दर्जाश् प्रदान करने का अधिकार वित्त आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं होगा और यह फैसला पूर्णतरू केंद्र सरकार के विवेकाधीन रहेगा. यह सिफारिश महत्वपूर्ण और आशा जगानेवाली रही. आंध्र प्रदेश को विशेष श्रेणी राज्य का दर्जा नहीं देने के पीछे तत्कालीन वित्तमंत्री अरुण जेटली द्वारा यही हवाला दिया गया था कि 14वें वित्त आयोग की सिफारिशें लागू होने के बाद किसी भी राज्य को ऐसा दर्जा नहीं दिया जा सकता है. ऐसे में 15वें आयोग की अनुशंसा बिहार, ओडिशा, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों के लिए उत्साहवर्धक रही, लेकिन अब तक किसी भी राज्य को इसका फायदा नही मिल पाया है. उल्लेखनीय है कि 14वें वित्त आयोग में राज्यों को अधिक 'कर' देने के उद्देश्य से अंतरण को 32 फीसदी से बढ़ाकर 42 फीसदी किया गया था, जिसे 15वें आयोग में 41 फीसदी रखा गया है.अंतरण में वृद्धि के बावजूद केंद्रीय व केंद्र प्रायोजित योजनाओं के आवंटन में कटौती के कारण स्थिति लगभग पहले जैसी ही रही. अब केंद्र को बिहार, ओडिशा, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों की मांगें पूरी कर समुचित विकास सुनिश्चित करने की पहल करनी चाहिए.इस मांग को लेकर नीतीश कुमार, नवीन पटनायक, जगह मोहन रेड्डी सरीखे नेता लंबे समय से संघर्षरत रहे हैं. साल 2018 में विशेष राज्य के दर्जे

का मामला काफी गरमाया था, जब एनडीए गठबंधन की पुरानी सहयोगी टीडीपी आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिये जाने पर गठबंधन से अलग हो गयी थी. साल 2014 तक केंद्र में यूपीए और बिहार में एनडीए की सरकार कार्यरत थीं. इस दौरान भी विशेष दर्जे को लेकर निरंतर संघर्ष होता रहा. वर्तमान में बिहार और केंद्र में एनडीए की सरकार है. इस स्थिति में अपेक्षा और आकांक्षा बढ़ना लाजिमी है. तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने 'आंध्र प्रदेश रिऑर्गेनाईजेशन एक्ट 2014' पर बहस के दौरान प्रदेश को पांच वर्ष के लिए विशेष दर्जे की बात कही थी. आंध्र प्रदेश विभाजन एक्ट में विशेष दर्जे जैसी कोई शर्त नहीं रखी गयी थी, लेकिन सर्वविदित है कि आंध्र प्रदेश से तेलंगाना बनने के बाद राज्य को भारी आर्थिक क्षति हुई है, जिसकी भरपाई की दिशा में भी 'विशेष राज्य की मांग तर्कसंगत है. इसी तरह, नवंबर, 2000 में बिहार से झारखंड बनने के बाद राज्य के सभी प्राकृतिक संसाधन झारखंड में चले गये. इस स्थिति में पहले से गैर-औद्योगिक राज्य बिहार पूर्णतः संसाधनविहीन हो गया. बिहार पुनर्गठन अधिनियम 2000 के एक प्रावधान के तहत विभाजन से राज्य को होनेवाली वित्तीय कठिनाइयों से जुड़े एक विशेष प्रकोष्ठ की संस्तुति की गयी थी, जो सीधे योजना आयोग के उपाध्यक्ष की निगरानी में राज्य की आवश्यकताओं को पूरा करनेवाला था. यह विशेष प्रकोष्ठ कुछ हद तक कारगर जरूर रहा, लेकिन भरपाई काफी दूर रह गयी. बिहार में सत्तासीन जेडीयू और भाजपा के नेता एक स्वर में स्वीकारते हैं कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए. जेडीयू द्वारा 2013 में इस मांग को लेकर दिल्ली में एक बड़ी रैली आयोजित की गयी थी, जिसके बाद यूपीए सरकार ने तत्कालीन मुख्य आर्थिक सलाहकार रघुराम राजन की अध्यक्षता में एक कमेटी बनायी थी. इस कमिटी ने राज्यों को धन उपलब्ध कराने हेतु बहुआयामी सूचकांक की व्यवस्था अपनाने का सुझाव दिया था. कमिटी की रिपोर्ट में प्रत्येक राज्य को विकास की जरूरत के अनुसार अतिरिक्त राशि का आवंटन सुनिश्चित करने की सिफारिश की गयी थी. इस कमिटी में बिहार, ओड़िशा व आठ अन्य राज्य 'सबसे कम विकसित' श्रेणी में अंकित किये गये थे. इसके बावजूद इस दिशा में ठोस कदम नदारद रहे. बिहार में 2005 से नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार है. इस दौरान बिहार विकास की गाथा देशभर में सराही गयी. बिहार आर्थिक विकास दर के मामले में राष्ट्रीय औसत से अधिक व अन्य राज्यों के बीच सर्वाधिक विकास दर की उपलब्धि वाला राज्य है.सामाजिक सौहार्द को बरकरार रखने और सामाजिक रूप से पिछड़ों को आगे लाने तथा महिला सशक्तिकरण समेत अन्य आधारभूत संरचनाओं को बल देने के लिए मौजूद शासन को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सराहना भी मिल चुकी है. इन तमाम उपलब्धियों के बावजूद बिहार प्रति व्यक्ति आय, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक व आर्थिक सेवाओं पर व्यय में पीछे है. इसके लिए कई कारक जिम्मेदार हैं. बिहार में बाढ़ के कारण जान-माल की भारी क्षति प्रति वर्ष की कहानी है. इस कारण हर साल राज्य को अतिरिक्त वित्तीय भार उठाना पड़ता है. इसी तरह ओडिशा को भी प्राकृतिक आपदाओं के कारण भारी नुकसान उठाना पड़ता है.हालांकि संविधान में विशेष दर्जे का प्रावधान नहीं है, लेकिन नेशनल डेवलपमेंट काउंसिल द्वारा पहाड़ी एवं दुर्गम क्षेत्र, कम जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र, प्रति व्यक्ति आय व गैर कर राजस्व में कमी वाले राज्यों तथा आदिवासी बहुल इलाके समेत अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े क्षेत्र को आधार बनाकर विशेष दर्जा देने का निश्चय किया गया. ये मानक तीसरी पंचवर्षीय योजना के बाद बने थे.पांचवे वित्त आयोग द्वारा तीन राज्यों- जम्मू व कश्मीर, नागालैंड व असम को उपर्युक्त आधार पर विशेष राज्य का दर्जा प्रदान किया गया, जिसके बाद अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, सिक्किम, त्रिपुरा, हिमाचल और उत्तराखंड इस श्रेणी में लाये गये. विशेष दर्जा प्राप्त राज्यों को 90 फीसदी अनुदान और 10 फीसदी राशि ऋण स्वरूप देने का प्रावधान है,जबकि गैर विशेष राज्यों को केंद्र सरकार की 30 प्रतिशत राशि बतौर अनुदान और 70 फीसदी ऋण के रूप में देने की व्यवस्था है. विशेष दर्जा प्राप्त राज्यों को एक्साइज, कस्टम, कॉरपोरेट, इनकम टैक्स आदि में भी रियायत मिलती हैं. इन रियायतों से आधारभूत संरचनाओं के विकास में काफी मदद मिलेगी. विशेष दर्जा से प्राप्त संसाधनों से शिक्षा, स्वास्थ्य व अन्य क्षेत्रों में बहुमुखी विकास संभव हो पायेगा।

संपादकीय

उत्तर प्रदेश का राजनीतिक बतंगड़, सच घटे या बढ़े, सच न रहे

हम बतंगड़ न बनाते तो क्या पत्रकार न होते। हम सच लिखते, पर्दे के पीछे घटित हो रहे घटनाक्रमों को यथातथ्य लिखते तब भी हम पत्रकार ही कहलाते, लेकिन राजनीतिक चाशनी का स्वाद चखने के फेर में हम अक्सर अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी चला लेते हैं। और फिर लंगड़ा कर चलने लगते हैं। लंगड़ाते हुए हम लोगों को दिख भी जाते हैं और उपहास का विषय बन जाते हैं। जनमानस की नजर में, और उन लोगों की नजर में भी जिन्होंने हमारा इस्तेमाल कर लिया या फिर जानबूझ कर हमने जिनको खुद को इस्तेमाल ने करने दिया। अव्वल तो आज के माहौल में सच कहने का साहस करना ही मुश्किल है। इसका मंतव्य यह नहीं निकाला जाना चाहिए कि कोई हमें रोक रहा है। हम खुद ही रुक जाया करते हैं। बहाना कुछ और बनाते हैं। हमारी व्यावसायिक जरूरतें, हमारी संस्थागत जिम्मेदारियां, हमारा परिवेश, हमारे प्रतिस्पर्धी हमें घेरे रहते हैं। यह कोई पांच-दस साल की ही बात नहीं, बुनियादी तौर पर यही बातें, समस्याएं हम पर लागू रही हैं। बदले दौर में राजनीतिक नैतिकता कम होती गई और हमारी जरूरतें या स्वार्थ बढ़ते गए तो जो चीजें या बातें ढंकी-मुंदी थीं, खुलने लगीं या यूं कहें खुल गईं। ऐसे माहौल में अगर हम सच कह सकने की हिम्मत न भी दिखाएं तो कम से कम झूठ तो न ही कहें, बताएं। बातों को बातें ही रहने दें, बतंगड़ नाम बनाएं, वरना पकड़े तो जाएंगे ही, मार भी खाएंगे। यह मार कोई लाठी-गोली की नहीं, अधिक अनैतिक हो चुकी राजनीति की बातों और नजरों की होगी, जो हमें कोई बहुत मिशनरी या सच के पुजारी के रूप में नहीं देखती। वह किसी न किसी रूप हमें अपने हित में इस्तेमाल कर चुकी होती है, इसलिए वह हमें कई बार बेचारे की तरह या फिर बिकाऊ माल के रूप में ही देखती है। वह राजनीति जो कई बार हमसे दो मीठे बोल बोलती दिखती है, हमारा सम्मान जैसा करती दिखती है, वह उसकी अपनी जरूरत और व्यवसायगत निपुणता ही होती है। हम गलतफहमी में होते हैं कि वह हमारा सम्मान कर रही है। वह करे भी क्यों जब उसके सामने हम लेनदार-देनदार जैसी भूमिकाओं में रह चुके होते हैं। ध्यान रहे कि यह लेन-देन किसी त्यागी-तपस्वी और महान मनस्वी राजा जैसों के बीच नहीं होता। यह विशुद्ध व्यावसायिक होता है, जिसमें एक दूसरे की जरूरतें और स्वार्थ सिद्ध हुआ करते हैं। बहरहाल उत्तर प्रदेश में कोरोना की दूसरी लहर से पहले और लहर की ढलान के दौरान जो कुछ घटित हुआ, वह जग ने देखा है, सुना है, पढ़ा है। हममें कितना भी शब्दचातुर्य हो लेकिन सच से इधर-उधर बहके तो सच्चे नहीं रह जाते। शायर कृष्ण बिहारी नूर का कलाम सबने सुना ही होगा- सच घटे या बढ़े तो सच न रहे, झूठ की कोई इंतिहा ही नहीं।उत्तर प्रदेश की राजनीति में कुछ ऐसा माहौल इस दरम्यान बनाया गया कि वह बतंगड़ हो चला है और नूर ने जो कहा है, कुछ वैसा ही मंजर दिख रहा है। उत्तर प्रदेश में शर्मा बनाम शर्मा, केशव बनाम स्वतंत्रदेव, योगी बनाम मोदी, सत्ता बनाम विपक्ष, कोरोना बनाम सिस्टम करते-करते हम सच बनाम झूठ के ट्रैप में आ गए। हमारे ही बीच के लोग न जाने किन अज्ञात सूत्रों के हवाले से पहले मंत्रिमंडल विस्तार, फिर पद परिवर्तन, संगठन में बदलाव और यहां तक कि उत्तर प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन तक पहुंच गए। अपवादों को छोड़ दिया जाए तो नई भाजपा ने मुख्यमंत्रियों को ताश के पत्तों माफिक बदलना बंद ही कर रखा है। हम इतना भी अंदाजा नहीं लगा पाए। और फिर हम उस मुख्यमंत्री को हटाए जाने की कयासबाजी करने लगे जो कोरोना काल में आंकड़ों के आधार पर दिन-प्रतिदिन दिन नए मानक स्थापित करते देखा गया हो। हम उस मुख्यमंत्री को बदलने के नए-नए कुतर्क गढ़ने लगे जो भाजपा के स्टार प्रचारकों में शुमार हो और अभी-अभी बंगाल के चुनाव तमाम स्टार प्रचारकों के मुकाबिल अधिक तालियां बटोरकर आया हो। हम इसे अपना भोलापन भी नहीं कह सकते क्योंकि हम अपने को कम चतुर मानते ही नहीं हैं। हम राजनीतिक जाल में फंसे शिकार भी नहीं, क्योंकि हम पहले से ही इस गलतफहमी में हैं कि राजनीति को हम अपनी अंगुलियों पर नचाने की कला में माहिर हैं। दरअसल मजा लेने के चक्कर में या किसी को पानी पिलाने के फेर में हमने जानबूझ कर खुद को आग में झोंक दिया। जिनके साथ मिलकर यह सब किया वह दूर बैठे मदारी की तरह देखते रहे, मजा लेते रहे। इस दौरान वह अपनी दूसरी कमजोरियां ढंकते-मूंदते रहे।राजनीति में नैतिकता के अपने पैमाने होते हैं, जिसे वही लोग तय करते हैं जो इस खेल में शामिल हुआ करते हैं। वह एक दूसरे को गालियां देते हैं, सुनते हैं। गला काटते हैं, कटवा भी बैठते हैं लेकिन पत्रकारिता इसमें शरीक नहीं होती है। वह कमेंट करती है। अगर किसी गलतफहमी में उस खेल में उतरने या शरीक होने की गलती करती है तो उसे भी उसी तरह की बदनामियां झेलने को तैयार रहना चाहिए, जैसे कि अभी देखा जा रहा है। यह सच से डिगने का ही दुष्परिणाम है। सूत न कपास जुलाहों में लत्ता-लत्ता कहावत साफ देखी जा रही है। पत्रकारिता जब भी तथ्यों के विपरीत कयासों पर कलाबाजी करेगी, छली जाएगी, गच्चा खाएगी, बदनाम होगी। उत्तर प्रदेश में खासतौर पर पिछले एक महीने से यही हुआ। राजनीति में जो जहां था, वहीं है। जनमानस की नजरों में गिरा कौन, बताने की जरूरत नहीं। पूरी चक-चक के बाद एक भी बात सच हो गई होती तो शायद लाज बच जाती। यहां तो लेश मात्र का बदलाव नहीं दिखा। ऐसे में राजनीतिक पत्रकारिता आत्मघात करती या लगातार चूकती हुई महसूस की गई, देखी गई। पूरे दृश्य में एक भी किरदार कहीं से और कभी भी सामने नहीं दिखा।

हम इंसान हैं और भाषा हमारी जरूरत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 फरवरी को मन की बात में अपनी एक कमी पर अफसोस जतलाते हुए कहा था कि वह दुनिया की सबसे प्राचीन भाषा तमिल को नहीं सीख पाए। यह ऐसी सुंदर भाषा है, जो दुनियाभर में लोकप्रिय है। उस वक्त तमिलनाडु चुनाव की तैयारी चल रही थी और शायद इस वजह से गुजरात से आए नरेन्द्र मोदी ने दक्षिण भारत की एक प्राचीन भाषा को न सीख पाने का जिक्र किया। अगर राजनेता इस तरह राज्यों की सीमाओं से परे नई भाषा को सीखने के लिए प्रोत्साहित करें तो इससे क्षेत्रवाद की तंग मानसिकता या भाषा का संबंध संपन्नता और आधुनिकता से जोड़ने की गलत आदत को सुधारा जा सकता है। यह अफसोस की बात है कि जिस हिंदुस्तान के लिए यह कहा जाता है कि कोस-कोस पर बदले पानी और चार कोस पर वाणी, उस देश में भाषा को लेकर राजनीति भी होती है और अप्रिय विवाद भी। खासकर उत्तर और दक्षिण के बीच भाषा की खाई इतनी गहरी की जा चुकी है कि इसमें भाषा के मानवीय सरोकार खो जाते हैं। दक्षिण भारत की भाषाएं उत्तर भारत की भाषाओं से बेहद अलग हैं, लेकिन इस वजह से लोगों में अलगाव पैदा हो, यह गलत होगा। हरेक भाषा सुंदर होती है, क्योंकि उसके जरिए एक इंसान अपनी भावनाएं, दूसरे इंसान तक संप्रेषित कर पाता है। हरेक भाषा का अपना महत्व होता है, उसका इतिहास मानव जीवन की विकास यात्रा का गवाह होता है। जब आप किसी की भाषा को जानते हैं तो उससे आत्मीय रिश्ता बनाना आसान होता है।

भाषा पराएपन की सीमा को तोड़ती है। अंग्रेजों ने भी भाषा के इस महत्व को समझते हुए हिंदुस्तान पर राज करने के लिए यहां की भाषाओं को सीखा और बाद में हिंदुस्तानियों को गुलाम बनाने के लिए अंग्रेजी को बड़ा हथियार बनाया। अंग्रेजी शिक्षा से जरिए यहां अपने लिए ऐसे लोग तैयार किए जो शरीर से हिंदुस्तानी रहें, लेकिन उनकी सोच, उनकी फितरत अंग्रेजों की तरह हो जाए और फिर अपनी भाषा के गुलाम इन लोगों के जरिए अंग्रेजों ने अपने साम्राज्य का विस्तार किया। अंग्रेजों की इस राजनीति में अंग्रेजी का कोई दोष नहीं है, बल्कि दोष क्षुद्र राजनीति और तंगदिली का है। अफसोस कि इतने बरसों बाद भी भारत से यह तंगदिली गई नहीं है। कम से कम हाल में हुए दो मामले इसका प्रमाण हैं। गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल के नर्सिंग सुप्रिंटेंडेंट ऑफिस ने शनिवार 5 जून को एक सकुंलर जारी किया था जिसमें कहा गया था कि नर्सें केवल हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में ही बात करें, किसी दूसरी भाषा में नहीं, वरना उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। इस सकुंलर में विशेष रूप से मलयालम भाषा का जिक्र था। सर्कुलर में एक शिकायत का हवाला देकर यह लिखा गया था कि श्कुछ नर्सें पंत अस्पताल में मलयालम भाषा का इस्तेमाल करती हैं जिसे मरीजों और उनके साथियों के लिए समझना मुश्किल होता है। इससे असुविधा होती है।श् इस सर्कुलर पर नर्सों के बीच काफी नाराजगी देखी गई। गौरतलब है कि देश के ज्यादातर अस्पतालों में केरल की नर्सें काम करती हैं। दुनिया के कई देशों में भी केरल की नर्सें अपनी सेवाएं देती हैं और उनके काम की सराहना होती है। मरीजों के लिए सही तीमारदारी और अपनत्व की भाषा की जरूरत होती है, लेकिन दिल्ली के एक बड़े अस्पताल में किसी शिकायत के बाद नर्सों की भाषा को निशाने पर लिया गया। मलयालम भाषी नर्सों ने इसे पक्षपातपूर्ण और गलत निर्णय बताया और इसके खिलाफ सोशल मीडिया कैंपेन शुरू करने की बात कही थी। कुछ नर्सों ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर कहा कि दिल्ली में तकरीबन 60 प्रतिशत नर्सें केरल से हैं, वो आपस में तो अपनी मातृ-भाषा में बात कर सकती हैं, लेकिन ऐसा होना मुश्किल है कि वो अन्जान मरीजों से या दूसरे प्रांतों से आये अपने साथियों से मलयालम में बात करने की कोशिश करेंगी। कुछ नर्सों ने कहा श्दिल्ली में पंजाब और मणिपुर समेत कुछ दूसरे राज्यों की नर्सें भी काम करती हैं, वो भी जब मिलती हैं तब अपनी मातृ-भाषा में बात करती हैं। मगर उसका किसी ने मुद्दा नहीं बनाया। सिर्फ मलयालम भाषी नर्सों को निशाना क्यों बनाया जा रहा है। कांग्रेस के भी कई नेताओं ने इस फैसले की आलोचना की। केरल से सांसद राहुल गांधी ने ट्वीट किया, श्किसी अन्य भारतीय भाषा की तरह मलयालम भी भारतीय है। भाषा के आधार पर भेदभाव बंद करिये। इसी तरह माकपा नेता सीताराम येचुरी ने लिखा, श्यह अस्वीकार्य है। भारत में किसी भी भाषा पर इस तरह बैन नहीं लगाया जा सकता। यह आदेश तुरंत वापस होना चाहिए। इस मामले पर विरोध बढ़ता देख इस सर्कुलर को वापस लिया गया है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि उनकी जानकारी के बिना ही यह सर्कुलर जारी किया गया था। केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन ने कहा, श्मलयालम भारत की आधिकारिक भाषाओं में शुमार है।

प्रशासन ने काफी देर से इस निंदनीय परिपत्र को वापस लिया जो कि हमारे देश के सांस्कृतिक एवं लोकतांत्रिक ढांचे के खिलाफ था।श् भाषा को लेकर लिया गया एक विवादित फैसला और तूल पकड़ता, इससे पहले ही मामला शांत हो गया। लेकिन क्या इसे अंत भला तो सब भला माना जा सकता है, या आगे इस तरह की संकीर्ण वृत्ति देखने न मिले, इस पर विचार करने की जरूरत है। अजीब संयोग है कि शनिवार को मलयालम को लेकर एक विवेकहीन फैसला लिया गया और उससे पहले गुरुवार को दुनिया में ज्ञान का नया केंद्र बने गूगल ने कन्नड़ जैसी प्राचीन भाषा पर अपनी अज्ञानता का प्रदर्शन किया। दरअसल गूगल पर सबसे भद्दी भारतीय भाषा के नाम से खोज पर नतीजे में कन्नड़ भाषा का नाम मिला।

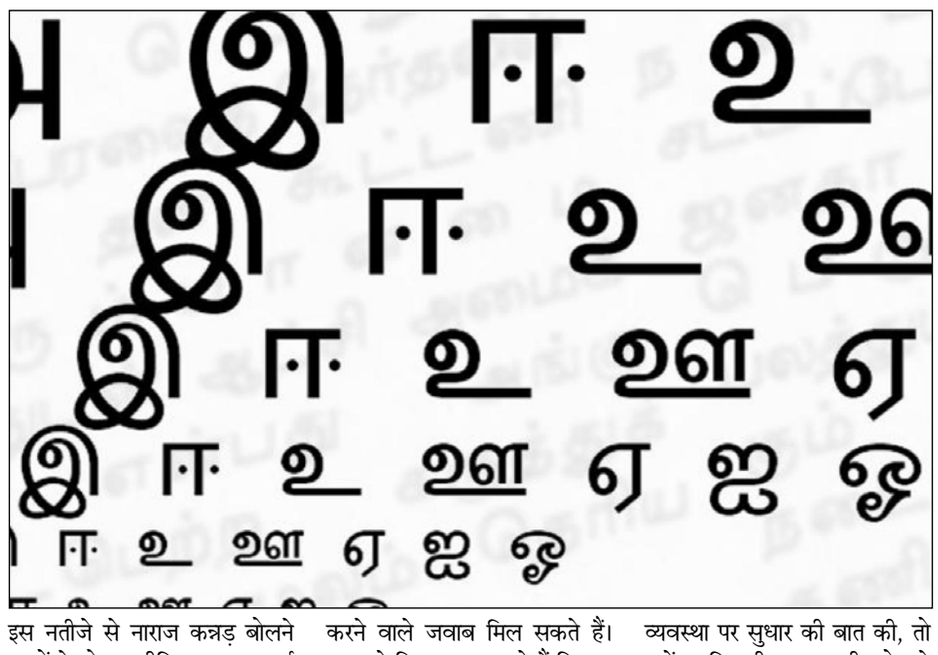

इस नतीजे से नाराज कन्नड़ बोलने वालों ने सोशल मीडिया पर इस सर्च रिजल्ट के स्क्रीन शॉट्स के साथ इस प्राचीन भाषा का अपमान करने के लिए कंपनी की जम कर खिंचाई की। कर्नाटक के मंत्री अरविंद लिंबावली ने ट्वीट किया, श्कन्नड़ भाषा का अपना ही एक इतिहास है, यह 2,500 साल पहले अस्तित्व में आई थी। यह इन ढाई हजार वर्षों के दौरान कन्नड़िगाओं का गौरव रही है।श् वहीं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा, श्न केवल कन्नड़ बल्कि कोई भी भाषा खराब नहीं है। उन्होंने भाषाओं के प्रति दुर्व्यवहार को दर्दनाक बताया और सवाल किया कि क्या गूगल के लिए किसी भी भाषा के प्रति इस तरह की नफरत को रोकना असंभव है। जाहिर है गूगल के पास इसका कोई सटीक जवाब नहीं होगा। वैसे इस विवाद के बाद गूगल ने गलतफहमी और भावनाएं आहत करने के लिए आधिकारिक रूप से माफी मांगी है। गूगल ने ट्विटर पर जारी अपने बयान में कहा कि सर्च फीचर हमेशा सटीक नहीं होते और कभी -कभी इंटरनेट पर जिस तरह के कंटेन सर्च किए जाते हैं उससे किसी असामान्य सवाल के हैरान करने वाले जवाब मिल सकते हैं। गूगल ने लिखा हम जानते हैं कि यह आदर्श स्थिति नहीं है लेकिन जब हमें ऐसे किसी मामले की जानकारी मिलती है तो हम तेजी से उसमें सुधार करने की कार्रवाई करते हैं और हम अपने अल्गोरिद्म को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। स्वाभाविक रूप से, यह गूगल की राय को नहीं दर्शाता है, और हम गलतफहमी और किसी की भी भावनाओं को आहत करने के लिए माफी चाहते हैं। गौरतलब है कि गूगल के उपभोक्ता पूरी दुनिया में फैले हैं और भारत में उसका काफी बड़ा बाजार है। गूगल पर खोज के भरोसे बहुत लोग अपने ज्ञान में इजाफा करते हैं या अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाते हैं। ऐसे में सवाल ये है कि क्या गूगल पर इस तरह की किसी खोज को जगह दी जानी चाहिए, जिसमें किसी भाषा को भद्दा कहा जा रहा हो। ये भाषायी सामंतवाद क्या उस पूंजीवाद की देन है, जिसकी जकड़ में आज पूरी दुनिया है। प्रसिद्ध शिक्षाविद अनिल सदगोपाल ने लगभग एक दशक पहले मध्यप्रदेश के हरदा में जन-संघर्ष मोर्चा से जुड़े आदिवासी कार्यकर्ताओं की एक बैठक में शिक्षा व्यवस्था पर सुधार की बात की, तो उन्हें आदिवासी समाज की ओर से समवेत स्वर में कहा गया कि - शिक्षित बच्चों का उनके समाज और उनकी समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं होता है।वे लोग समाज और गांव से कट जाते है और अपने ही समाज, उसकी भाषा, खानपान और पहनावे को हेय दृष्टि से देखते हैं, इसलिए ऐसी शिक्षा बंद कर देनी चाहिए। इस बातचीत का संदर्भ अंग्रेजी या खड़ी हिंदी बनाम आदिवासी भाषाओं और बोलियों से रहा होगा, लेकिन आज इन विचारों को प्राचीन भाषा बनाम आधुनिक तकनीकी भाषा के संदर्भ में समझने की जरूरत है। कम्प्यूटर की भाषा या इस्तेमाल में दक्ष लोगों को ये याद रखना होगा कि वे आभासी दुनिया में नहीं हैं, न ही रोबो हैं, वे जीते जागते इंसान हैं, जिन्हें अपनी भावनाओं के संप्रेषण के लिए हिंदी, अंग्रेजी या किसी अन्य भाषा की जरूरत पड़ेगी। किसी भाषा को भद्दा बताने वालों या किसी भाषा से परहेज करने वालों को आचार्य विनोबा भावे का यह कथन याद रखना चाहिए कि केवल अंग्रेजी सीखने में जितना श्रम करना पड़ता है उतने श्रम में भारत की सभी भाषाएं सीखी जा सकती हैं।

छोटी खेती के खिलाफ दुष्चक्र

जब से मानव ने समूह में रहना शुरू किया, तब से ही उसने कृषि और पशुपालन प्रारंभ कर दिया. भारत के वांग्मय में खेती और पशुपालन का महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधियों के रूप में वर्णन आता है. वेदों में भी विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों, कृषि आदि का वर्णन है. खेती से जुड़ी हर गतिविधि को भारत में उत्सव के रूप में मनाने की परंपरा है. ऋतुओं के अनुसार खेती की वैज्ञानिक परंपरा भी है. अन्न से कार्बोहाइड्रेट, दालों से प्रोटीन, फल-सब्जियों से विटामिन सभी भारत की भोजन की थाली में मिलता है. और यह सब मेहनतकश किसानों द्वारा देश को उपलब्ध करवाया जाता है. उत्तम खेती, मध्यम व्यापार और नीच चाकरी (यानी नौकरी) ऐसी कहावत देश में प्रचलित रही है. किसान खेती में नयी-नयी खोजें करते हुए उत्पादन बढ़ाता रहा है. साथ ही पशुपालन, डेयरी, मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, बागवानी समेत कई गतिविधियां गांव में चलती हैं. गांव के कारीगर अपने हुनर से गांव और शहरों के लिए कपड़ा, बर्तन, लोहे एवं अन्य धातुओं के सामान आदि की पूर्ति करते रहे हैं. अंग्रेजों के जमाने में उद्योगों के पतन, किसानों के शोषण और आर्थिक पतन के चलते खेती-किसानी का क्षरण इतिहास के पन्नों में दर्ज है. किसान की हालत कैसी भी रही हो, खेती को आज भी एक पवित्र व्यवसाय माना जाता है. लेकिन, आजकल औद्योगिक कृषि के पैरोकार उसी जीवनदायिनी खाद्य एवं पौष्टिकतापूरक परंपरागत कृषि पर ही प्रश्न उठा रहे हैं. वैश्विक कॉरपोरेट बिल गेट्स परंपरागत कृषि को पर्यावरण के लिए अत्यंत घातक बता रहे हैं. वे चाहते हैं कि कृषि के तौर-तरीकों में परिवर्तन किये जायें, ताकि पर्यावरण पर उसके दुष्प्रभाव को न्यूनतम किया जा सके.

हाल ही में 'लांसेट' में प्रकाशित एक शोध के अनुसार पिछले 25 वर्षों में दुनिया के एक प्रतिशत धनी लोगों ने करीब 310 करोड़ लोगों की तुलना में दोगुने से ज्यादा प्रदूषण फैलाया है. बिल गेट्स यह नहीं बताते कि दुनिया में मात्र 11-15 प्रतिशत ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कृषि से होता है. वनों के कटने से 15-18 प्रतिशत और खाद्य प्रसंस्करण, ट्रांसपोर्ट, पैकिंग और रिटेल से 15-20 प्रतिशत ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बढ़ता है. शेष 45-56 प्रतिशत उत्सर्जन खाद्य के अतिरिक्त गतिविधियों से होता है. बिल गेट्स का सुझाव है कि ऐसे बीज, कीटनाशक, खरपतवार नाशक, इस्तेमाल किये जायें, जिससे छोटे किसान ज्यादा से ज्यादा उपज ले सकें और आमदनी बढ़ा सकें. वे ज्यादा उपज के लिए जीएम फसलों, राउंडअप सरीखे खतरनाक खरपतवार नाशक और कीटनाशकों की वकालत करते हुए दिखाई देते हैं. दुनिया में खाद्य पदार्थों के उत्पादन का लगभग 80 प्रतिशत छोटे किसानों से आता है. अमेरिका में बड़े भूभाग पर बड़े-बड़े खेतों पर खेती होती है. मीलों तक फैले इन खेतों में काफी कृषि उत्पादन होता है. लेकिन वह उत्पादन लोगों के खाने के लिए नहीं, बल्कि एथेनॉल या बायो ईंधन बनाने के लिए उपयोग किया जाता है. यह औद्योगिक कृषि दुनिया के 75 प्रतिशत भूभाग पर की जाती है, लेकिन वह दुनिया की खाद्य आवश्यकताओं का 20 प्रतिशत ही उपलब्ध कराती है. ऐसे में छोटे किसानों के द्वारा दुनिया के 80 प्रतिशत खाद्य पदार्थों की आपूर्ति होती है, वह दुनिया में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन का चार प्रतिशत भी नहीं है. बिल गेट्स छोटे किसानों द्वारा पशुपालन और गोपालन को भी पर्यावरण का सबसे बड़ा दुश्मन मानते हैं. वास्तव में पर्यावरण का तर्क गलत स्थान पर प्रयोग किया जा रहा है. छोटे किसानों द्वारा प्रकृति के साथ सामंजस्य से खेती होती है. उनके द्वारा पशुपालन से प्राकृतिक तरीके से लोगों की पौष्टिकता की आवश्यकताओं की पूर्ति होती है. उस व्यवस्था में खलल हमारी खाद्य शृंखला को बाधित कर सकती है, जो दुनिया में खाद्य संकट का कारण बन सकता है. जीएम बीजों और राउंडअप सरीखे खरपतवार नाशकों के कारण वास्तव में पर्यावरण और जैव विविधता और प्रकृति चक्र संकट में है.जहां अमीर देशों में लोग ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थों की तरफ बढ़ रहे हैं, वहीं गरीब मुल्कों में खतरनाक फसलों को पर्यावरण के नाम पर बढ़ावा देना कहां तक उचित है? धर्मात्मा और दानवीरता का चेहरा लेकर बिल गेट्स दुनिया में खास तौर पर गरीब मुल्कों की स्वास्थ्य नीति, टीकाकरण नीति, कृषि नीति समेत कई प्रकार की नीतियों में दखल दे रहे हैं. पर्यावरणीय संकट से पार पाने के लिए जो उनका सुझाव कि छोटे किसान परंपरागत खेती और पशुपालन त्याग कर उनके सुझाये गये उपायों, बीजों, कीटनाशकों और खरपतवार नाशकों को अपनायें, यह किसी भी हालत में कल्याणकारी नहीं है.यह 80 प्रतिशत खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति करनेवाली खेती पर कुठाराघात करने वाला है. इससे किसानों की निर्भरता कंपनियों के बीजों और रसायनों पर बढ़ जायेगी. समझा जा रहा है कि बिल गेट्स कंपनियों की बिक्री बढ़ाने के लिए जीएम बीजों और खरपतवार नाशकों की वकालत कर रहे हैं. विभिन्न देशों के नीति-निर्माण में बिल गेट्स का दखल है.लेकिन हमें समझना होगा कि दुनिया में पर्यावरण संकट अमीर मुल्कों द्वारा अत्यधिक ऊर्जा और वस्तुओं की खपत और उससे होनेवाले उत्सर्जन के कारण है. अमीर मुल्कों को बाध्य कर उनके द्वारा उत्सर्जन को न्यूनतम करवाते हुए पर्यावरणीय संकट का हल खोजना जरूरी है. छोटे किसानों को दोषी मानकर गलत दिशा में कृषि को मोड़ना दुनिया के लिए भारी संकट का कारण बन सकता है.

कच्चे आम के कितने मिजाज़

नींबू का सीज़न हो तो कहा जाता है कि क्यों न लेमनएड बनाया जाये। ऐसा ही कुछ आम के सीज़न में आम के लिये भी कह सकते हैं लेकिन यह करना थोड़ा मुश्किल है। खासकर कच्चे आमों को मैनेज करना काफी मुश्किल भरा होता है। इस मौसम में भले ही 'कोयलिया बोले अंबुआ की डारी' जैसे रोमांटिक गीत हमें लुभाते हैं लेकिन घर के गार्डन की डारी पर लटक रहे आमों के गिरने का ख्याल आता है तो घबराहट होने लगती है। आखिर उन्हें कैसे मैनेज करें कि वे खराब न हो? वो दिन लद गये जब बड़े परिवार होते थे और सभी एक साथ मिलकर अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के लिये अचार बनाने के काम में जुट जाते थे। अचार बनाने की प्रक्रिया में कोई फल काटने का काम करता था तो कोई मसाले पीसने, तेल गर्म करने, मर्तबान को साफ करने और भरे हुए अचार के बर्तनों को धूप में रखने के काम में जुटा रहता था। अब तो हम केवल अंबिया या कैरी को ही पहचानते हैं। हालांकि महामारी ने हमें साथ मिलकर अपने लिये कुछ करने, वक्त बिताने का मौका दिया है। ऐसे में आम की चटनी और आम पन्ना ही बनाया जा सकता है, भले ही हम इसे लॉकडाउन में औरों के साथ शेयर न कर सकते हों। अगर आपके साथ भी ऐसा ही है तो कच्चे आम को अपने खाने में शामिल करें।

सोशल मीडिया ट्रोलर ने कहा संघी महिलाएं हॉट नहीं होतीं

कंगना रनोट ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ ग्लैमरस फोटो साझा की हैं। इनके कैप्शन में उन्होंने खुद को संघी बताया है। माना जा रहा है कि एक्ट्रेस ने ये फोटो उस वायरल ऑडियो के जवाब में पोस्ट की हैं, जिनमें संघ के लोगों के बारे में आपत्तिजनक बातें कही गई थीं और बोला गया था कि संघी महिलाएं हॉट नहीं होतीं।

कंगना ने जवाब में दो फोटो पोस्ट की। एक के साथ उन्होंने लिखा, लिब्रस संघी महिलाएं हॉट नहीं होतीं। मैं जरा मेरा कप तो पकड़िए। एक्ट्रेस ने एक अन्य फोटो शेयर की और उसके कैप्शन में लिखा- हॉट संघी।

हाल ही में कंगना रनोट फिल्म छपाक में दीपिका पादुकोण के को-एक्टर रहे विक्रांत मैसी पर भड़क गई थीं। दरअसल, यामी गौतम की शादी की फोटो देखकर विक्रांत ने उनकी तुलना राधे मां से की थी, जो कंगना को नागवार गुजरा। उन्होंने एक्टर को जवाब देते हुए लिखा था, कहां से निकला ये कॉकरोच। लाओ मेरी चप्पल।

बुधवार को कंगना ने खुलासा किया कि काम नहीं होने के कारण वे पिछले साल के टैक्स का आधा भुगतान नहीं कर पाई हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि यह उनकी लाइफ में पहली बार है, जब उन्हें टैक्स का भुगतान करने में देरी हो रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी शेयर की। साथ ही उन्होंने दावा किया है कि वे सबसे ज्यादा टैक्स देने वाली एक्ट्रेस हैं। कंगना ने लिखा, मैं सबसे ज्यादा टैक्स देने वालों के स्लैब में आती हूं। अपनी इनकम का लगभग 45 प्रतिशत मैं टैक्स के रूप में देती हूं।

कार्तिक आर्यन को अपनी फिल्मों से निकालने वाले धर्मा और रेड चिलीज की पिछली 10 में से 7 फिल्में फ्लॉप

एक्टर कार्तिक आर्यन के हाथ से धर्मा प्रोडक्शन, रेड चिलीज और आनंद एल. राय की फिल्में निकल जाना इन दिनों सुर्खियों में है। इसे कार्तिक का बड़ा नुकसान माना जा रहा है, लेकिन खुद धर्मा और रेड चिलीज भी काफी समय से किसी बड़ी हिट की तलाश में हैं। इन दोनों की पिछली 10 फिल्मों का हाल देखें तो उनमें से 7 फ्लॉप रही हैं। आनंद एल. राय की पिछली पांच में से कोई भी फिल्म बड़ी हिट नहीं रही।

कार्तिक आर्यन को लेकर बॉलीवुड में बवाल तब शुरू हुआ, जब करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म दोस्ताना-2 से उनको बाहर किया गया। इसके बाद शाहरुख खान के रेड चिलीज की एक फिल्म से भी कार्तिक को बाहर करने की खबरें आईं और फिर आनंद एल. राय के प्रोडक्शन से भी उन्हें हटाया गया। एक साथ 3 बड़े बैनर्स की फिल्मों से कार्तिक का नाम कटने से नेपोटिज्म और फिल्म माफियाराज जैसी बातों को फिर हवा मिल गई।

2020 का साल इंडस्ट्री के लिए बुरा रहा। पहले तीन महीने तक ही फिल्में रिलीज हुईं और तब से अब तक इंडस्ट्री की गाड़ी फिर से पटरी पर नहीं आ सकी है, लेकिन 2019 की टॉप 10 हिट फिल्मों की सूची में टॉप 5 में भी धर्मा या रेड चिलीज नहीं हैं।

मध्यप्रदेश के एक डॉक्टर कपल की संतान कार्तिक इंजीनियरिंग पढ़ने मुंबई आए थे। कार्तिक ने धीरे-धीरे अपना मुकाम बनाना शुरू किया और अब इंस्टा पर उनके दो करोड फॉलोअर्स हैं। कार्तिक की पहली फिल्म प्यार का पंचनामा सफल रही, लेकिन बाद में उन्हें संघर्ष करना पड़ा। प्यार का पंचनामा-2 और सोनू के टीटू की स्वीटी की शानदार सफलता के साथ वह स्टार बन गए।

माना जाता है कि बॉलीवुड में वैलिडेशन चाहिए तो बड़े प्रोडक्शन हाउस की फिल्म करना जरूरी है, लेकिन ओटीटी और साउथ की फिल्मों के बॉलीवुड पर प्रभाव के जमाने में शायद अब वैलिडेशन कोई मुद्दा नहीं रहा। आज ओटीटी और यूट्यूब समेत कई सारे डिस्ट्रीब्यूशन माध्यम हैं। उनके अपने स्टार हैं। शाहरुख, अक्षय कुमार और आलिया भट्ट ने भी अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू कर दी है। अब किसी को कोई बड़े प्रोडक्शन हाउस से वैलिडेशन की जरूरत नहीं है।

कार्तिक आर्यन ने अब तक पूरी कंट्रोवर्सी पर चुप्पी साध रखी है, लेकिन फिल्म मेकर अनुभव सिन्हा और लेखक अपूर्व असरानी कह चुके हैं कि यह खबरें जिस तरह से चल रही हैं, यह बताता है कि कार्तिक के खिलाफ मानो मुहिम छेड़ी गई है।

फिल्म प्रोड्यूसर गिरीश जौहर ने दैनिक भास्कर से बातचीत में बताया कि एक्टर्स को अभी ओटीटी, एंडोर्समेंट, एडवर्टाइजमेंट और दूसरे बहुत सारे काम मिलते हैं। आज के स्टार कहीं न कहीं दूसरे बिजनेस में भी इन्वेस्ट कर रहे हैं, इसलिए कोई किसी स्टार को मिटा नहीं सकता। बॉलीवुड अब चंद घरानों या प्रोडक्शन हाउस की बपौती नहीं रहा।

जिस सभ्यता से कार्तिक ने सारे विवाद पर चुप्पी साध रखी है, उससे यह भी पता लगता है कि एक पक्ष ही खबरों को चला रहा है। जब तक दूसरा पक्ष बोलता नहीं है, तब तक कैसे कह सकते हैं कि फिल्में छीनी गईं या हटा दिया गया।

शतरंज के मैच में विश्वनाथन आनंद को टक्कर देंगे आमिर खान

आमिर खान और विश्वनाथन आनंद एक बार फिर शतरंज की बिसात पर आमने सामने होंगे। दरअसल कोरोना की दूसरी लहर से प्रभावित हुए लोगों की मदद के लिए चेस इंडिया यह मैच ऑर्गनाइज कर रहा है। आमिर के अलावा सिंगर अरिजीत सिंह और प्रोड्यूसर साजिद नाडियादवाल भी आनदं के साथ चैरिटी मैच खेलेंगे। चेस डॉट कॉम इंडिया, ऑल इंडिया चेस फेडरेशन, अक्षय पात्र मिलकर ये इवेंट कर रहे हैं।

चेस डॉट कॉम इंडिया ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है- जिस पल का आपको इंतजार था वो घड़ी आ गई है। आमिर खान, वर्ल्ड चैंपियन रह चुके विशी आनंद के खिलाफ एक चैरिटी मैच खेलेंगे। इसे सफल बनाने के लिए दिल खोलकर मदद कीजिए। यह मैच 13 जून को शाम 5 बजे से होगा। जिसे यू-ट्यूब पर टेलीकास्ट किया जाएगा।

यह पहला मौका नहीं है जब आमिर और आनंद आमने-सामने होंगे। इससे पहले भी वे 2019 में एक मैच खेल चुके हैं। आनंद ने आमिर की तारीफ में कहा था कि उनकी बायोपिक के लिए आमिर खान परफैक्ट होंगे। उन्होंने कहा था कि आमिर शतरंज खेलते हैं और समझते हैं। वे अद्भुत एक्टर हैं। मैं सिर्फ उम्मीद कर सकता हूं कि वे इसमें इंटरेस्ट लेंगे।

अमिताभ बच्चन का ये हमशक्ल कोरोना महामारी के दौरान कर रहा है ऐसा काम, हर तरफ हो रही है तारीफ

नई दिल्ली। बॉलीवुड स्टार्स के हमशक्ल की तस्वीरें अक्सर सोशल मीडिया पर सामने आती रहती हैं। अबतक न जानें कितने ही स्टार्स के हमशक्ल सामने आ चुके हैं। उन्हें देखकर आपको असली और नकली की पहचान कर पाना काफी मुश्किल होता है। अबतक सलमान खान, ऋतिक रोशन, ऐश्वर्या राय बच्चन, अनुष्का शर्मा और हाल ही में शाहरुख खान सहित कई स्टार्स के हमशक्ल की तस्वीरें सोशल मीडिया वायरल हो चुकी हैं। ईस बीच अब बॉलीवुड महानायक अमिताभ बच्चन के हमशक्ल सामने आए हैं। बिग बी के हमशक्ल का नाम शशिकांत पेडवाल अपने मजेदार और कॉमिक अंदाज की वजह से इन दिनों लोगों के बीच काफी सुर्खियां बटोर रहे हैं। उनके चर्च में आने के पीछे एक और खास वजह है। शशिकांत पेडवाल हू-ब-हू अमिताभ बच्चन की तरह ही दिखते हैं। वह कोरोना काल में इस भयावह महामारी से जूझ रहे लोगों को हंसाकर उनके बीच पॉजिटिव एनर्जी फैलाते दिखाई दे रहे हैं। वो लोगों से वीडियो कॉल के जरिए बात कर उन्हें एंटरटेन कर रहे हैं। वर्चुअल इंटरेक्शन के दौरान पेडवाल अमिताभ बच्चन के डायलॉग्स, उनकी कविताएं दोहराते हुए लोगों को मोटीवेट करते हैं।

नुसरत जहां ने पति निखिल जैन से अलग होने के बाद सोशल मीडिया से डिलीट कर दीं शादी की फोटो

एक्ट्रेस और ञस्ष्ट सांसद नुसरत जहां पति निखिल जैन से अलग होने के बाद से चर्चा में बनी हुई हैं। अब हाल ही में नुसरत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से अपनी शादी की सभी फोटोज डिलीट कर दी हैं। इससे पहले बुधवार को नुसरत ने एक बयान दिया था कि साल 2019 में बिजनसमैन निखलि जैन से तुर्की में हुई उनकी शादी मान्य नहीं है। साथ ही उन्होंने निखिल से अलग होने का खुलासा भी किया था और उनपर गंभीर आरोप भी लगाए थे।

शादी की फोटोज डिलीट करने के बाद अपनी एक फोटो शेयर कर नुसरत ने लिखा, ÷मैं उस औरत के रूप में याद नहीं रखी जाना चाहती, जो अपना मुंह बंद रखती हैं। और मुझे इस बात से कोई परेशानी नहीं है।

नुसरत और निखिल करीब छह महीने से एक दूसरे से अलग रह रहे हैं। दोनों की शादी साल 2019 की सबसे चर्चित शादियों में से एक थी। उनकी शादी और हनीमून की फोटोज सोशल मीडिया पर काफी वायरल भी हुई थीं। हालांकि, अब नुसरत ने निखिल के साथ की सभी फोटोज अपने सभी सोशल मीडिया अकाउंट से हटा दी हैं।

हाल ही में नुसरत जहां के प्रेग्नेंसी की खबरें भी सामने आईं थीं। इन खबरों पर निखिल ने कहा था कि उन्हें नुसरत के गर्भवती होने की जानकारी नहीं है। अगर ऐसा है तो वो बच्चा उनका नहीं है। वहीं इसके बाद नुसरत जहां ने दिए अपने बयान में कहा था कि निखिल जैन संग उनकी शादी मान्य नहीं है। इसलिए तलाक लेने का सवाल ही नहीं उठता।

नुसरत ने एक बयान में कहा था, एक विदेशी भूमि पर शादी होने के कारण, तुर्की मैरिज रेगुलेशन के अनुसार हमारी शादी मान्य नहीं है। क्योंकि ये दो धर्मों के लोगों के बीच में हुई शादी थी, इसलिए भारत में इसे वैधानिक मान्यता देने की जरूरत थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसलिए तलाक का सवाल ही नहीं उठता। कानूनी तौर पर यह शादी मान्य नहीं है, बल्कि एक लिव-इन रिलेशनशिप है।

इतना ही नहीं नुसरत ने निखिल पर पैसों के हेरफेर जैसे कई गंभीर आरोप भी लगाए। नुसरत ने कहा था, ÷निखिल ने उनकी जानकारी के बिना ही उनके अकाउंट से पैसे निकाले हैं। खुद को अमीर बताकर रात के किसी भी समय गैर-कानूनी रूप से उसने मेरे बैंक अकाउंट्स से पैसे लिए। हम दोनों के अलग होने के बाद भी उसने ऐसा करना जारी रखा है।

जब मीका सिंह ने किया था दावा-बड़े भाई दलेर मेहंदी के कारण अब तक नहीं हुई शादी

रैपर-सिंगर मीका सिंह आज (गुरुवार को) अपना 44वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस खास मौके पर उनके फैंस, फ्रेंड्स और कई बॉलीवुड सेलेब्स भी सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उन्हें बधाईयां भी दे रहे हैं। मिका ने कई सालों में अपना एक सफल करियर बनाया है, इसके बावजूद भी वे अब तक सिंगल हैं और उन्होंने एक बार अपने बड़े भाई दलेर मेहंदी को इसके लिए दोषी ठहराया था। मिका ने एक कॉमेडी शो में यह दावा किया था कि कई सालों पहले वे एक सीरियस रिलेशन में थे, लेकिन तब बड़े भाई दलेर मेहंदी उनके ब्रेकअप का कारण बने थे।

दरअसल, मिका और दलेर 2017 में कॉमेडी शो एंटरटेनमेंट की रात में एक साथ दिखाई दिए थे। मीका ने तब इस शो में बताया था कि 1995 में वे दलेर की टीम में एक गिटारिस्ट थे और उस समय उनके साथ ही रह रहे थे। शो में मिका ने यह दावा करते हुए कहा था कि वे उस समय एक सीरियस रिलेशन में थे। सावन में लग गई आग के सिंगर मिका ने आगे बताया था कि उन्होंने तब अपनी एक गर्लफ्रेंड को अपने बड़े भाई दलेर का लैंडलाइन नंबर दिया था। मीका ने मजाक में कहा था, एक दिन जब उसने फोन किया, भगवान ही जानता है कि दलेर पाजी ने उससे ऐसा क्या कहा था कि उसने मुझसे रिश्ता ही तोड़ लिया था और तब मेरा दिल टूट गया था। मेरे शादी न करने का एकमात्र कारण दलेर पाजी हैं।

हालांकि, इस साल की शुरुआत में एक इंटरव्यू में दलेर ने मीका के दावों का खंडन किया था। उन्होंने कहा था, उसकी शादी नहीं हो रही है, जरूरी उसकी अपनी आंतरिक विफलता या अन्य कोई वजाह होगी। दलेर ने आगे कहा था, मैं पिछली बार मिला था तो मैंने उससे यह कहा था कि तू शादी कर। मैं चाहता हूं तेरे ढेर सारे बच्चे हों। इतना पैसा है, इतना कुछ है, ये कहां जाएगा? मेरी कोशिश रहेगी इस साल चाहे मार के ही उसे घोड़ी पर बिठाऊंगा, लेकिन शादी कराऊंगा।

बॉडी में ऑक्सीजन की कमी पूरा करेंगे अल्कलाइन फूड्स, जानिए 3 बेस्ट फूड्स

कोरोनावायरस की दूसरी लहर में मरीज़ों को सबसे ज्यादा दिक्कत सांस लेने में हुई है, जिसकी वजह से लोगों को अपनी जान तक गवानी पड़ी। कोरोनाकाल में ऑक्सीजन को लेकर बेहद मारामारी रही, मरीज़ों में ऑक्सीजन का स्तर काफी गिरता रहा। लेकिन आप जानते हैं कि ऑक्सीजन की कमी फूड्स से भी पूरी की जा सकती है। जी हां, अल्कलाइन फूड बॉडी में ऑक्सीजन के स्तर को बेहतर बनाते हैं। आप जानते हैं कि अल्कलाइन फूड कौन से होते हैं और यह किस तरह बॉडी में ऑक्सीजन का स्तर बनाए रखते हैं।

अल्कलाइन फूड में एंटी ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाया जाता हैं। शरीर की सामान्य पीएच वैल्यू 7.4 होती है, जिन फूड्स में पीएच वैल्यू 7 से कम होती है उन्हें एसिडिक और जिनकी 8 या उससे ज्यादा होती है उन्हें अल्कलाइन कहा जाता है। अल्कलाइन फूड्स में एवाकाडो, केला, गाजर, लहसुन, नाशपाती, पपीता, किशमिश, नींबू, तरबूज, आम, खूबानी और खजूर आदि फलों का सेवन किया जा सकता है।

अम्लीय स्वाद का नींबू बॉडी में अल्कलाइन बनाने में बेहद मदद करता है। यह बॉडी में पीएच लेवेल को बैलेंस करता है। विटामिन सी का स्रोत नींबू में फ्लेवोनाइड भी पाया जाता है जो सर्दी और फ्लू से हिफाजत करता है। नींबू ऑक्सीजन युक्त भोजन में से एक है जो बॉडी में पहुंचकर अल्कलाइन में बदल जाता है।

पपीता में पीएच वैल्यू 8.5 होता है, जो किडनी की सफाई करने के लिए बेहतर माना जाता है। पपीता कोलन को साफ करने के साथ ही स्टूल (मल) को भी नियंत्रित करता है। हल्का कच्चा पपीता आंतों से हानिकारक पदार्थों को नष्ट करता है। अल्कलाइन डाइट में हम साबुत फल, सब्जियां, बिना प्रोसेस फूड लेते हैं जो फाइबर, मिनरल्स, विटामिन और एंटी-ऑक्सीडेंट के अच्छे स्रोत होते हैं।

कीवी में अल्कलाइन की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, यह ब्लड स्ट्रीम में ऑक्सीजन की मात्रा को तेज़ी से बढ़ाती है। कोरोनाकाल में बॉडी में ऑक्सीजन का बेहतर लेवल बनाए रखने के लिए कीवी बेस्ट है।

हमारे शरीर में ऑक्सीजन ब्लड द्वारा ही पूरी बॉडी के विभिन्न अंगों तक पहुंचती है। ऐसे में शरीर में ब्लड सर्कुलेश अगर बेहतर होगा तो संभव है कि ऑक्सीजन का स्तर भी सामान्य बना रहेगा। ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने के लिए चुकंदर, लहसुन, हरी पत्तेदार सब्जियां, अनार, अंकुरित दालें, अनाज, सूखे मेवे आदि फूड्स को डाइट में शामिल करें।

धुन चुराने को लेकर रघु राम ने अनु मलिक से पूछा सवाल, जवाब मिला- तुम भी तो चोर हो

टीवी रियलिटी शो रोडीज में अपने सवालों से प्रतिभागियों को हिला देने वाले रघु राम का एक वीडियो वायरल हो रहा हैं। सोशल मीडिया पर शेयर हो रहे इस वीडियो में रघु सिंगर कम्पोजर अनु मलिक से पंगा लेते नजर आ रहे हैं। ये वीडियो इंडियन आइडल ऑडिशन का बताया जा रहा है। इसमें वह अनु मलिक से पूछते दिख रहे हैं कि क्या उन्होंने कभी धुन चुराई है। इस पर अनु मलिक जवाब देते हैं, आप भी चोर हैं। साथ ही अपनी ओरिजिनल धुनें गिनवाते हैं। यह वीडियो एंटरटेनमेंट की रात का है, जो कि 2017 में टेलीकास्ट हुआ था। इस वीडियो में रघु राम पूछते हैं, क्या आपने अपने करियर में कोई धुन चुराई है? इस पर अनु मलिक जवाब देते हैं, हंस लिए? अब जवाब दिया जाएगा। मैं आपको एक बात बताना चाहता हूं। मुझे नहीं पता था, आप ऐसा सवाल करने वाले हैं। आपकी जुबान मुझे लगता है, बहुत लंबी है, उसको जरा ठीक करते हैं। ये जो आपने सवाल किया है ना, ये पहले 11 जर्नलिस्ट और कर चुके हैं, तो आप भी चोर हैं। आपने भी उनका सवाल चुराया। अनु अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए बोलते हैं, भगवान को छोड़कर इस दुनिया में कोई भी ओरिजिनल नहीं है। वह शो में आए शक्ति कपूर और रंजीत की ओर इशारा करके कहते हैं, ये भी किसी से इंस्पायर्ड होंगे लेकिन इससे ये चोर तो नहीं हो जाते।

40 की उम्र में बेली फैट कम करने के लिए रोजाना करें ये एक्सरसाइज

बढ़ते वजन को कंट्रोल करना एक बड़ी चुनौती है। खासकर 40 की उम्र के बाद मोटापा कंट्रोल करना बेहद मुश्किल टास्क होता है। डाइट एक्सपर्ट्स की मानें तो बढ़ते वजन को कंट्रोल करने से पहले संतुलित करना जरूरी है। इसके लिए डाइट में फाइबर युक्त चीजों को शामिल करें। फाइबर देर से पचता है। इसके चलते देर तक पेट भरा रहता है। इससे बार-बार खाने की समस्या से भी निजात मिलता है। साथ ही बेली फैट कम करने के लिए कैलोरी काउंट जरूर करें। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद का कहना है कि भरपेट खाने से गुरेज नहीं करना चाहिए। अगर कभी ज्यादा डाइट लेते हैं, तो ज्यादा वर्कआउट कर बैलेंस्ड कर सकते हैं। इसके लिए आपको एक्टिव रहने की जरूरत है। अगर आप भी बेली फैट से परेशान हैं, तो रोजाना इन एक्सरसाइज करें-

यह वर्कआउट के लिए बेहतरीन एक्सरसाइज है। इसे करने से फैट तेजी से बर्न होता है। इस एक्सरसाइज को करने से मेटाबॉलिज़्म एक्टिव होता है। इससे शरीर में मजबूती आती है। इसके लिए बेली फैट को कम करने के लिए रोजाना प्लैंक जैक्स एक्सरसाइज जरूर करें।

इसके लिए सबसे पहले पुश अप्स पॉजिशन में आकर दोनों पैरों के बीच दूरी रखें। अब कुछ सेकेंड के लिए रुकें। इसके बाद केवल दोनों पैरों को एक साथ लाएं और फिर दूर करें। आप चाहें तो इसे सुबह-शाम दोनों समय में कर सकते हैं।

बेली फैट को कम करने के लिए क्रंच एक्सरसाइज जरूर करें। क्रंच के सभी एक्सरसाइज करने से बेली फैट कम होता है। इसके लिए रोजाना क्रंच एक्सरसाइज करें।

बढ़ते मामलों से विमानन क्षेत्र को भारी नुकसान, खड़े हुए एयरएशिया के 90 फीसदी विमान

नई दिल्ली। कोरोना वायरस माहामारी के कारण एयरएशिया ग्रुप के लगभग 200 से अधिक विमान खड़े हो गए हैं। यह कुल बेड़े का करीब 90 फीसदी है। कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण कंपनी को पूरे एशिया में व्यापार को लेकर कईदिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रॉयटर्स के मुताबिक, मलयेशिया यूनिट के एक कार्यकारी ने इसकी जानकारी दी। 105 विमानों के साथ कंपनी के सबसे बड़े बाजार मलयेशिया में इस समय लॉकडाउन है। इस संदर्भ में मुख्य परिचालन अधिकारी जावेद अनवर मलिक ने सीएपीए

सेंटर फॉर एविएशन इवेंट में कहा कि एयरएशिया मलयेशिया को उम्मीद है कि अगस्त महीने से मांग में फिर से तेजी आ सकती है। इससे कंपनी अक्तूबर तक सभी 17 घरेलू हवाई अड्डों पर सेवा बहाल कर सकेगी।

एयरएशिया इंडिया भारत में 33 एयरबस ए320 विमानों के जरिये 19 गंतव्यों पर परिचालन करती है। इनमें से तीन ए320 नियो विमान हैं। कोरोना वायरस महामारी का विमानन क्षेत्र पर काफी बुरा असर पड़ा है। इसी दौरान एयर एशिया इंडिया का नुकसान अप्रैल-जून 2020 में बढ़कर 332 करोड़ रुपये तक पहुंच गया जो कि एक साल पहले इसी अवधि में 15.11 करोड़ रुपये पर था।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा है कि सभी हवाई अड्डे के परिचालकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि हवाई अड्डे पर और यात्रा के दौरान लोगों ने मास्क सही तरीके से पहना है या नहीं। साथ ही हवाई अड्डे के परिसर में सुरक्षित शारीरिक दूरी भी बनाए रखनी होगी। डीजीसीए ने एयरलाइंस को अचानक जांच करने का निर्देश भी दिया। अगर एयरलाइंस विमान के अंदर नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं करा पाती हैं, तो उन पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। साथ ही, यदि कोई व्यक्ति बार-बार चेतावनी के बावजूद नहीं मानता है तो उसके साथ अनियंत्रित यात्री जैसा व्यवहार किया जाएगा।

सोने-चांदी की चमक बढ़ी

मुंबई। विदेशों में दोनों कीमती धातुओं में रही मजबूती से घरेलू स्तर पर भी सोने-चांदी के भाव बढ़ गये। एमसीएक्स वायदा बाजार में सोना 33 रुपये यानी 0.07 प्रतिशत चढ़कर 49,160 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। सोना मिनी भी 33 रुपये की मजबूती के साथ 48,941 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा।

चांदी 262 रुपये यानी 0.70 प्रतिशत की बढ़त में 71,493 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बिकी। चांदी मिनी 202 रुपये की चमककर 71,505 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 1.90 डॉलर चमककर 1,894.60 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। अगस्त का अमेरिकी सोना वायदा भी 1.90 डॉलर की बढ़त के साथ 1,896.30 डॉलर प्रति औंस बोला गया। चांदी हाजिर 0.13 डॉलर चढ़कर 27.77 डॉलर प्रति औंस के भाव बिकी।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर महेश कुमार जैन का कार्यकाल बढ़ा

नयी दिल्ली । केंद्र सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर महेश कुमार जैन का कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ा दिया। आरबीआई के अनुसार श्री जैन का मौजूदा कार्यकाल इस वर्ष 21 जून को समाप्त होने के बाद उन्हें 22 जून से दो साल के लिए या अगला आदेश आने तक के लिए,

इनमें से जो भी पहले होगा, फिर से डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है।

श्री जैन को जून 2018 में तीन साल के लिए डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया गया था। वह आरबीआई में नियुक्ति से पहले आईडीबीआई बैंक के प्रबंध निदेशक थे। उन्होंने आईडीबीआई बैंक से जुड़ने से पहले इंडियन बैंक का नेतृत्व किया था।

रुपया आठ पैसे टूटा

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ने से अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया आठ पैसे कमजोर हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 72.97 रुपये का बिका। भारतीय मुद्रा दो दिन में 17 पैसे लुढ़क चुकी है। पिछले कारोबारी दिवस यह नौ पैसे की गिरावट के साथ 72.89 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपया आज एक पैसे टूटकर 72.90 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। दिन भर यह 72.89 रुपये प्रति डॉलर और 73.02 रुपये प्रति डॉलर के बीच रहा। अंत में मंगलवार के मुकाबले आठ पैसे कमजोर पड़कर 72.97 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में आधा फीसदी की मजबूती से रुपये पर दबाव रहा। वहीं, दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर की नरमी ने रुपये की गिरावट को सीमित रखा।

स्थिर रहे पेट्रोल-डीजल के दाम

नयी दिल्ली। पेट्रोल-डीजल के दाम आज रिकॉर्ड स्तर पर स्थिर रहे। अग्रणी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल और डीजल कीमत बुधवार को क्रमश 95.56 रुपये और 86.47 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रही। गत 04 मई से अब तक 21 दिन पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाये गये हैं जबकि शेष 17 दिन कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस दौरान दिल्ली में पेट्रोल 5.16 रुपये तथा डीजल 5.74 रुपये महंगा हो चुका है। दूसरे शहरों में भी कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया। मुंबई में पेट्रोल 101.76 रुपये, चेन्नई में 96.94 रुपये और कोलकाता में 95.52 रुपये प्रति लीटर पर रहा। डीजल मुंबई में 93.85 रुपये कोलकाता में 89.32 रुपये और चेन्नई में 91.15 रुपये प्रति लीटर बिका। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

नीति आयोग और पिरामल फाउंडेशन का 112 जिलों में अभियान

सुरक्षित हम सुरक्षित तुम से होगी मदद

मुंबई। सरकार के थिंक टैंक नीति आयोग और देश का प्रमुख कॉर्पोरेट घराना पिरामल ग्रुप के पिरामल फाउंडेशन ने कोरोना के मरीजों की घर-घर देखभाल करने की योजना शुरू की है। इसके तहत देश भर के 112 जिलों में अभियान चलाया जाएगा। इसे सुरक्षित हम सुरक्षित तुम का नाम दिया गया है। यह जिले देश के 26 राज्यों में हैं। इसमें बड़े राज्यों में ज्यादा जिले हैं। इस अभियान के तहत 20 लाख नागरिकों को कोविड होम केयर के तहत मदद दी जाएगी। इसके तहत कोविड-19 के ऐसे मरीजों की घर पर देखभाल करने में जिला प्रशासन की मदद की जाएगी, जो बिना लक्षण वाले या हलके लक्षण वाले हैं। यह अभियान एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स कोलैबोरेटिव नामक विशेष पहल के तहत शुरू किया गया है। इसमें स्थानीय नेता, नागरिक

Piramal

समाज और स्वयंसेवक जिला प्रशासन के साथ मिलकर एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में जिले में उभरती समस्याओं का समाधान करेंगे। अभियान का नेतृत्व जिला मजिस्ट्रेट द्वारा 1,000 से अधिक स्थानीय गैर सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी में किया जाएगा, जो इनबाउंड/आउटबाउंड कॉल के माध्यम से रोगियों से जुड़ने के लिए 1 लाख से अधिक स्वयंसेवकों को नॉमिनेट और प्रशिक्षित करेंगे। गैर सरकारी संगठनों और स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण देने में पिरामल फाउंडेशन जिला प्रशासन की मदद करेगा। नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने कहा कि अभियान 'सुरक्षित हम सुरक्षित तुम' एक महत्वपूर्ण पहल है जो तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती है। इस पहल के तहत कोविड के स्थायी प्रभाव को ध्यान में रखते हुए जिलों में भारत के सबसे गरीब समुदायों को लंबे समय तक मदद प्रदान की जाएगी। संभावना है कि इस अभियान के तहत कोविड से संबंधित 70 पर्सेंट मामलों का घरों में ही इलाज करने, स्वास्थ्य प्रणाली पर दबाव कम करने और लोगों में भय के प्रसार को रोकने के लिए जिला प्रशासन की तैयारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाएगी। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के आधार पर एनजीओ प्रभावित लोगों को घरेलू देखभाल सहायता प्रदान करने के लिए स्थानीय स्वयंसेवकों को जुटाएगा। स्वयंसेवकों को कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए कार्यवाहकों को शिक्षित करके प्रत्येक 20 प्रभावित परिवारों का समर्थन करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

जेम्स एंडरसन ने बनाया खास कीर्तिमान, तोड़ा एलेस्टेयर कुक का बड़ा रिकॉर्ड

एजबेस्टन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने गुरुवार को अपने नाम एक बेहद खास उपलब्धि हासिल की। न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में मैदान पर उतरते ही उन्होंने पूर्व इंग्लिश कप्तान एलेस्टेयर कुक का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा टेस्ट (162) खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। बता दें कि कुक ने इंग्लैंड के लिए 161 टेस्ट खेले हैं।

इससे पहले लॉर्ड्स में खेले गए पहले टेस्ट में एंडरसन ने कुक (161 टेस्ट) के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। बता दें कि सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने के मामले में टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर

पहले नंबर पर हैं। उन्होंने भारत की तरफ से 200 टेस्ट मैच खेले हैं। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और स्टीव वॉ 168 टेस्ट मैच के साथ दूसरे नंबर पर हैं। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस ने 166 टेस्ट मैच खेले हैं। वेस्टइंडीज के शिवनारायण चंद्रपॉल और भारत के राहुल द्रविड़ के ने 164 टेस्ट मैच खेले हैं।

बता दें कि इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एजबेस्टन में खेला जा रहा है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने खबर लिखे जाने तक चार ओवर्स में बिना किसी नुकसान के 11 रन बना लिए हैं। रोरी बर्न्स 5 और डॉम सिब्ले 2 रन बनाकर खेल रहे हैं।

भारत के खिलाफ इंग्लिश महिला टेस्ट टीम का एलान, 16 जून से शुरू होगा मैच

ब्रिस्टल। इंग्लैंड ने बुधवार को भारत के खिलाफ अपनी 17 सदस्यीय महिला टीम का एलान कर दिया। दोनों टीमों के बीच एकमात्र टेस्ट 16 जून से ब्रिस्टल में खेला जाएगा। बता दें कि एमिली अर्लॉट को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। वह भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू कर सकती हैं। हालांकि, इस टीम में छंटनी की जाएगी। बाहर होने वाले खिलाड़ी रशेल हेहो फ्लिंट ट्रॉफी (आरएचएफटी) में भाग लेंगे। अर्लोट ने हाल ही में आरएचएफटी में हैट्रिक लगाई थी। भारत के खिलाफ हीथर नाइट टीम की कप्तान होगी। बता दें कि भारतीय टीम सात साल में पहला टेस्ट खेलेगी।

भारत के सुपरस्टार बॉक्सर डिंको सिंह का निधन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बॉक्सर और एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट डिंको सिंह का गुरुवार को निधन हो गया। वे 42 साल के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। डिंको को 2017 से लिवर कैंसर था। उन्हें भारत के सबसे बेहतरीन बॉक्सर्स में से एक माना जाता है। 2022 में उन पर बन रही फिल्म रिलीज हो सकती है। एक्टर शाहिद कपूर इसमें मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, खेल मंत्री किरण रिजिजू, मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह, बॉक्सर मैरी कॉम, विकास कृष्णन और विजेंदर सिंह ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने शोक व्यक्त करते हुए कहा- डिंको एक स्पोर्टिंग सुपरस्टार और गजब के बॉक्सर थे। उन्हें कई अवॉर्ड मिले और आगे भी उन्होंने कई बॉक्सर का भविष्य संवारने में मदद की। उनके निधन से दुखी हूं। ओम शांति।

डिंको 1998 में बैंकॉक में एशियन गेम्स में गोल्ड मेडलिस्ट रह चुके हैं। खेल मंत्री रिजिजू ने शोक प्रकट करते हुए कहा- मैं यह खबर सुनकर काफी दुखी हूं। वे भारत के बेस्ट बॉक्सर्स में से एक थे। 1998 एशियन गेम्स में उनका मेडल जीतना भारतीय बॉक्सिंग में बदलाव लाया था। इसी वजह से भारत में बॉक्सिंग काफी पॉपुलर हुआ। उनके परिवार को इस दुख की घड़ी में हिम्मत मिले।

वहीं, भारत के मौजूदा प्रोफेशनल बॉक्सिंग सुपरस्टार विजेंदर सिंह ने कहा कि डिंको का सफर और स्ट्रगल आने वाली कई पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा।

13 बार के चैंपियन नडाल और वर्ल्ड नबंर-1 जोकोविच सेमीफाइनल में भिड़ेंगे

पेरिस। फ्रेंच ओपन के मेन्स कैटेगरी में शुक्रवार को टेनिस का एल-क्लासिको देखने को मिलेगा। दुनिया के 2 मौजूदा महान खिलाड़ियों में शुमार नोवाक जोकोविच और राफेल नडाल सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। नडाल इस टूर्नामेंट को सबसे ज्यादा 13 बार जीत चुके हैं। वहीं, जोकोविच सिर्फ 1 ही बार फ्रेंच ओपन जीत पाए हैं। दोनों में से कोई एक ही खिलाड़ी फाइनल के लिए क्वालिफाई कर पाएगा। एल क्लासिको स्पेनिश शब्द है, जिसका मतलब होता है उत्कृष्ट। स्पेनिश फुटबॉल में बार्सिलोना-रियल मैड्रिड के मैच को एल क्लासिको कहा जाता है, क्योंकि दोनों ला लिगा के सबसे सफल क्लब हैं। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-5 ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास और जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव भिड़ेंगे।

बुधवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल के मैच में सर्बिया के वर्ल्ड नंबर-1 जोकोविच ने वर्ल्ड नंबर-9 मातियो बैरेतिनी को हराने के लिए काफी पसीना बहाना पड़ा। 3 घंटे 28 मिनट तक चले इस मैच को जोकोविच ने 6-3, 6-2, 6-7, 7-5 से अपने नाम किया।

वहीं, वर्ल्ड नंबर-3 स्पेन के नडाल को वर्ल्ड नंबर-10 डिएगो श्वार्ट्जमैन को हराने के लिए 2 घंटे 45 मिनट का वक्त लगा। क्ले कोर्ट यानी लाल बजरी के बादशाह नडाल ने यह मैच 6-3, 4-6, 6-4, 6-0 से अपने नाम कर लिया। दोनों खिलाड़ियों को एक ही ड्रॉ में रखा गया था।

जडेजा ने लगाई लंबी छलांग, टिम साउथी को हुआ जबरदस्त फायदा

दुबई। आईसीसी ने बुधवार को ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी की। गेंदबाजों की रैंकिंग में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउथी को जबरदस्त फायदा हुआ है। साउथी 838 रेटिंग के साथ तीसरे स्थान पर आ गए हैं। इसके पहले वो छठे स्थान पर थे। बता दें कि साउथी ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में सात विकेट चटकाए थे। इसी वजह से उन्हें रैंकिंग में जबरदस्त फायदा हुआ है। वहीं, ऑलराउंडर की ताजा रैंकिंग में टीम इंडिया के रविंद्र जडेजा ने इंग्लैंड के बेन स्टोक्स को पीछे छोड़ दिया है। जडेजा 386 रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर आ गए हैं। भारतीय कप्तान विराट कोहली आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पांचवें स्थान पर बरकरार हैं जबकि रोहित शर्मा और ऋषभ पंत संयुक्त छठे स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड के लिए पहले टेस्ट में दोहरा शतक जमाने वाले डेवोन कॉन्वे 77वें स्थान पर है जबकि कप्तान केन विलियमसन शीर्ष पर हैं। कॉन्वे ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्टमें 347 गेंद में 200 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 जून से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भारत की कप्तानी करने वाले कोहली 814 अंक लेकर पांचवें स्थान पर हैं।

ओली राबिंसन के बाद मोर्गन, बटलर और एंडरसन भी जांच के दायरे में आए

लंदन। न्यूजीलैंड के खिलाफ धमाकेदार टेस्ट पदार्पण करने वाले इंग्लिश गेंदबाज ओली राबिंसन की वजह से उठा अश्लील और लिंग भेद वाला ट्वीट विवाद अब कई बड़े खिलाड़ियों को चपेट में ले रहा है। वनडे व टी-20 के कप्तान इयान मोर्गन, सबसे अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर भी जांच के घेरे में फंस गए हैं। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड इंटरनेट मीडिया पर की गई टिप्पणियों पर कार्रवाई के मूड में है।

भारतीयों का मजाक उड़ाने वाली कथित नस्लीय टिप्पणियों के लिए ईसीबी मोर्गन और विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर की जांच कर रहा है। ईसीबी ने प्रासंगिक और उचित कार्रवाई का वादा करते हुए कहा कि प्रत्येक मामले में व्यक्तिगत

आधार पर विचार किया जाएगा। बटलर और मोर्गन ने इन पोस्ट में भारतीयों का मजाक उड़ाने के लिए कटाक्ष करते हुए सर का उपयोग किया था।

अब बटलर के संदेश का स्क्रीनशॉट ईसीबी से साझा किया गया है जिसमें उन्होंने लिखा, मैं सर नंबर एक को हमेशा यही जवाब देता हूं, मेरे जैसा, आप जैसा, मेरे जैसा। मोर्गन ने बटलर को टैग करके एक संदेश में लिखा, सर आप मेरे पसंदीदा बल्लेबाज हो। बटलर इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हैं जबकि मोर्गन कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान हैं। हालांकि इन

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक
स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- कंचन सोलंकी
RNI No : UPHIN/2019/79194
Mob: 9453694257
Email: kanchansolanki397@gmail.com
नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।